RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 33, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री

सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

भारत मजबूत और एकजुट रहे, ये संविधान ने सुनिश्चित किया: गवई

मुंबई

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने रविवार को कहा कि हमारे संविधान ने सुनिश्चित किया है कि देश मजबूत और एकजुट रहे, जबकि पड़ोसी देश अशांति और उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र के रत्नागिरी ज़िले के मंदनगढ़ तालुका में एक न्यायालय भवन का उद्घाटन करने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह भवन ऐसे क्षेत्र में बना है जहां संविधान के मुख्य निमार्ता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब आंबेडकर का पैतृक गांव अंबावडे भी स्थित है।

पड़ोसी देशों में हुए हिंसक सत्ता परिवर्तन को लेकर कही ये बात

जस्टिस गवई ने कहा, 'देश युद्ध और शांति दोनों ही स्थितियों में एकजुट और विकास के पथ पर अग्रसर रहा है। हमने आंतरिक आपातकाल भी देखा है, लेकिन हम मजबूत और एकजुट रहे हैं। यह डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान की वजह से है, जो हमें उन पड़ोसी देशों से अलग करता है जो उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं। उनकी और हमारी स्थिति में अंतर भारतीय संविधान की मजबूती के कारण है। जैसा कि बाबासाहेब आंबेडकर ने ठीक ही कहा था, जब तक इस देश में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हो जाता, तब तक राजनीतिक लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है।' श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में हिंसक नागरिक आंदोलन हुए, जिनके चलते सरकारें बदलीं और बड़े पैमाने पर हिंसा और आगजनी हुई। जस्टिस बीआर गवई ने कहा, 'पिछले 22 वर्षों में एक न्यायाधीश के रूप में, मैंने न्याय के विकेंद्रीकरण का समर्थन किया है और कई न्यायिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा किया है।

न्यायपालिका और कार्यपालिका का सहयोग जरूरी: गवई

चीफ जस्टिस ने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा संतुष्टि कोल्हापुर सर्किट बेंच (बॉम्बे उच्च न्यायालय की) और यह मंडनगढ़ न्यायालय भवन से मिलती है, जो दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है।' जस्टिस बीआर गवई ने एक सपने के साकार होने जैसा बताते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने मंडनगढ़ न्यायालय भवन परियोजना में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'वैसे तो कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों को अलग-अलग कर लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद की जाती है, लेकिन न्याय सभी तक पहुंचे, इसके लिए न्यायपालिका को कार्यपालिका से धन के मामले में सहयोग की जरूरत है। हाल ही में नासिक, नागपुर, कोल्हापुर और दरियापुर में न्यायालय भवनों का उद्घाटन किया गया है, मुझे उनके निर्माण की गुणवत्ता पर गर्व है।' मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ये अदालतें अंतिम नागरिक तक जल्द न्याय पहुंचाने के बाबासाहेब आंबेडकर के सपने को भी पूरा करेंगी।

एंबुलेंस में जीवनरक्षक सुविधाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से एक याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें एम्बुलेंस में हर समय पर्याप्त जीवन रक्षक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।न्यायालय उस याचिका पर भी सुनवाई के लिए सहमत हो गया है जिसमें सड़क एंबुलेंस के संचालन, रखरखाव और नियमन की वर्तमान वास्तविक स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने 10 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा, नोटिस जारी करें, जिसका चार सप्ताह में जवाब दिया जाए।

जहरीले कफ सीरप पर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा रंगनाथन

नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सीरप कोल्ड्रिफ से 23 बच्चों की मृत्यु के मामले में निमार्ता कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल का मालिक जी. रंगनाथन अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा है। वह बार-बार एक ही रट लगा रहा है कि उसे इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। छिंदवाड़ा पुलिस की एसआइटी ने शनिवार को रंगनाथन से लगभग छह घंटे तक पूछताछ की, जिसमें उसने गोलमोल जवाब दिए। पूछताछ के दौरान एसआइटी ने यह जानने का प्रयास किया कि गड़बड़ी कैसे हुई, गुणवत्ता की जिम्मेदारी किसकी थी और कफ सीरप में औद्योगिक उपयोग वाला प्रोपेलीन ग्लाइकाल क्यों मिलाया गया।

देश को मजबूत करना हर नागरिक की जिम्मेदारी: मोहन भागवत

देश को मजबूत करना हर नागरिक की जिम्मेदारी

शिवाजी महाराज ने धर्म के लिए स्वराज स्थापित किया

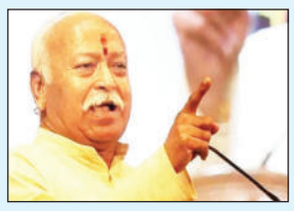

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस जैसी संस्था केवल नागपुर में ही बन सकती थी क्योंकि यहां पहले से ही त्याग और समाज सेवा की भावना थी। संघ प्रमुख ने कहा कि देश में कई लोग हिंदुत्व पर गर्व करते थे और हिंदू एकता की बात करते थे।

संघ का उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा संस्कृति, जागरूकता

मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस ने हाल ही में दशहरे पर अपने 100 साल पूरे किए हैं। इसकी स्थापना 1925 में डॉक्टर हेडगेवार ने नागपुर में ही की थी। इसका उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा संस्कृति, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी के भाव को पैदा करना था। नागपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा, "देश को मजबूत बनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब हम राष्ट्र के लिए काम करते हैं तो इससे हमारा ही हित होता है। जो देश अच्छा करता है वही सुरक्षित और सम्मानित रहता है।" उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की स्थापना अपने लिए नहीं, बल्कि ईश्वर, धर्म और राष्ट्र के लिए की थी।

केरल देश का रोल मॉडल- अत्यंत गरीबी खत्म की: ऐसा करने वाला दक्षिण एशिया का पहला राज्य

तिरुवनंतपुरम

केरल के कोट्टायम में 63 साल की स्वर्णम्मा रहती हैं। विधवा हैं। पूरा जीवन किराए के घर में रहीं। एक दिन जिला प्रशासन की टीम घर पहुंची। 10 लाख रुपए दिए, ताकि वो घर बनाएं और बचत करें। स्वर्णम्मा ने 6 लाख रु. में 3 सेंट (1306 वर्ग फीट) जमीन खरीदी। जिस पर अब घर बन रहा है। स्वर्णम्मा जैसे केरल में 64 हजार परिवारों के 1.03 लाख लोग और हैं, जिन्होंने अत्यंत गरीबी में जीवन गुजारा। अब उनकी जिंदगी बदल गई है। सरकार और सामाजिक भागीदारी से केरल एक बार फिर देश के लिए रोल मॉडल बनने जा रहा है। इस राज्य ने अपने यहां से अत्यंत गरीबी खत्म कर दी है। इसकी आधिकारिक घोषणा एक नवंबर को होगी। इसी के साथ केरल ऐसा करने वाला देश और दक्षिण एशिया का भी पहला राज्य होगा।मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जिनकी आय 158.10 रु. प्रतिदिन से कम है, वो अत्यंत गरीब की कैटेगरी में आते हैं। केरल ने इस मानक से आगे भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे ह्यमानवीय गरिमाह्न नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद अभूतपूर्व रही। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए, उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार मदद की। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की। हर पैसे और मदद का हिसाब लिया गया।

महाराष्ट्र में बेचा गया चोरी का ब्लड प्लाज्मा, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली

भोपाल एम्स से चोरी हो रहे ब्लड प्लाज्मा की अंतरराज्यीय कालाबाजारी का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस जांच में पता चला है कि एक गिरोह ने अब तक 1150 यूनिट प्लाज्मा चोरी कर महाराष्ट्र के नासिक और औरंगाबाद में स्थित दो निजी प्रयोगशालाओं को बेचा है। इन प्रयोगशालाओं में प्लाज्मा का उपयोग कर बायोमेडिकल दवाएं बनाई जा रही थीं। पुलिस ने नासिक और औरंगाबाद में प्रयोगशालाओं के संचालकों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना लक्की पाठक पहले ही पकड़ा जा चुका है।

सीमाएं भले ही शांत, चीन से चौकन्ना रहने की जरूरत: सीडीएस अनिल चौहान

देहरादून

उत्तराखंड की सीमाएं भले शांत हैं, लेकिन चीन सीमा को लेकर सतर्क रहना बेहद जरूरी है। उत्तराखंड में चीन के साथ 350 किलोमीटर और नेपाल के साथ 275 किलोमीटर की सीमा है। इससे यह राज्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनता है। भारत और चीन के बीच कुछ सीमा क्षेत्रों को लेकर मतभेद हैं और उत्तराखंड के बाड़ाहोती क्षेत्र में भी पूर्व में ऐसी स्थितियां देखने को मिली हैं। इसलिए सीमा की निगरानी और सतर्कता में किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

सीमावर्ती गांवों के लोग देश की सीमा पर सजग प्रहरी

चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने ये बातें देहरादून में आयोजित देवभूमि मेगा एक्स सर्विसमैन रैली में कही। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सीमावर्ती गांवों के लोग देश की सीमा पर सजग प्रहरी की तरह हैं। सीडीएस ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा केवल सेना की ही नहीं, बल्कि सीमांत गांवों की भी साझा जिम्मेदारी है।

उत्तराखंड का गौरवशाली इतिहास रहा- जनरल अनिल चौहान

उत्तराखंड का गौरवशाली इतिहास रहा है, यहां के लोगों ने हमेशा सीमाओं की रक्षा में अपना योगदान दिया है। जनरल चौहान ने कहा कि उन्हें हिंदी फिल्म आंखें का गीत उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता, जिस मुल्क की सरहद की निगहबान हैं आंखें" बेहद प्रिय है, क्योंकि यह हमारे सैनिकों और सीमांत ग्रामीणों की सतर्कता का प्रतीक है।

गोयल ने कनाडा के समकक्ष के साथ की वर्चुअल बैठक

आर्थिक संबंधों में सुधार के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के बीच अहम चर्चा हुई

नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच हाल के दिनों रिश्ते तनावपूर्ण रहे। हालांकि मार्क कार्नी के कनाडा के पीएम बनने के बाद से दोनों देशों के रिश्ते में कुछ सकारात्मक पहल भी देखने को मिले। ऐसे में अब भारत और कनाडा के रिश्तों को और मजबूत करने के लिए साथ ही आर्थिक संबंधों में सुधार के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के बीच अहम चर्चा हुई। इस दौरानों दोनों नेताओं ने भारत और कनाडा के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा नेताओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे, सम्मान और संतुलन पर आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाने की बात भी कही।

कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ हुई इस बैठक के बारे में पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि हमने ऐसे अवसरों पर चर्चा की जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताओं का लाभ उठाते हुए व्यापार को आगे बढ़ा सकते हैं। मैंने जोर देकर कहा कि भारत-कनाडा के व्यापारिक रिश्ते आपसी सम्मान, विश्वास और संतुलन पर आधारित होने चाहिए। इस बैठक को लेकर कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने भी कहा कि वे भारत के साथ आर्थिक जुड़ाव को गहरा करने और क्लीन टेक्नोलॉजी, एआई, कृषि, और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में नए व्यापारिक अवसरों पर काम कर रहे हैं। बता दें कि 2023 में कनाडा ने भारत के साथ चल रही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की बातचीत को रोक दिया था। इसके पीछे कारण था कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा एक सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत पर कथित संलिप्तता का आरोप लगाना।

बंगाल स्टूडेंट गैंगरेप केस- 3 गिरफ्तार, 2 फरार: पीड़ित का दोस्त भी हिरासत में

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दुगा दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात पर सीएम ममता बनर्जी ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा ये वारदात चौंकाने वाला है; हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि, वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, पुलिस अन्य की तलाश कर रही है; किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सीएम ममता ने ये भी कहा कि, निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

सीएम ममता ने निजी कॉलेज पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, 'वह लड़की निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी, इसलिए निजी मेडिकल कॉलेज की जिम्मेदारी है कि वे रात के 12.30 बजे कैसे बाहर आ गईं। जहां तक मुझे पता है कि यह वन क्षेत्र में हुआ था, इसलिए 12.30 बजे मुझे नहीं पता कि क्या हुआ, जांच जारी है... पुलिस जांच कर रही है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। 3 लोग पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।' वहीं इस मामले में विपक्ष की तरफ से सरकार पर निशाना साधे जाने पर सीएम ममता ने पलटवार भी किया है। उन्होंने कहा, 'आप मुझे बताइए कि ओडिशा में तीन सप्ताह पहले समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ, ओडिशा सरकार ने क्या कार्रवाई की और बंगाल में अगर महिलाओं के साथ कुछ भी होता है तो हम इसे सामान्य मामला नहीं मानते, यह एक गंभीर मामला है।'

गूगल मैप को टक्कर दे रहा मैपल्स, स्वदेशी नेविगेशन एप के वैष्णव हुए फैन!

नई दिल्ली

गूगल मैप्स को टक्कर देने वाला स्वदेशी ऐप Mappls लॉन्च हो गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को इस नेविगेशन ऐप का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है। इस स्वदेशी नेविगेशन ऐप में गूगल मैप से भी अधिक फीचर्स दिए गए हैं। इस ऐप के फैन खुद रेल मंत्री अश्विन वैष्णव भी हो गए हैं। उन्होंने कहा जल्द रेलवे और मैपल्स का एमओयू साइन होगा। दरअसल, Mappls स्वदेशी ऐप को तैयार किया गया है। इसमें आपको वो सभी फीचर्स मिल जाएंगे, जो गूगल मैप्स पर मिलते हैं। यही नहीं इस स्वदेशी नेविगेशन ऐप पर यूजर्स द्वारा रोड की कंडीशन, रूट्स पर मिलने वाले पेट्रोल पंप, ढ़ाबा और जंक्शन प्वाइंट्स आदि के बारे में भी जानकारी अपडेट की जा सकेगी।

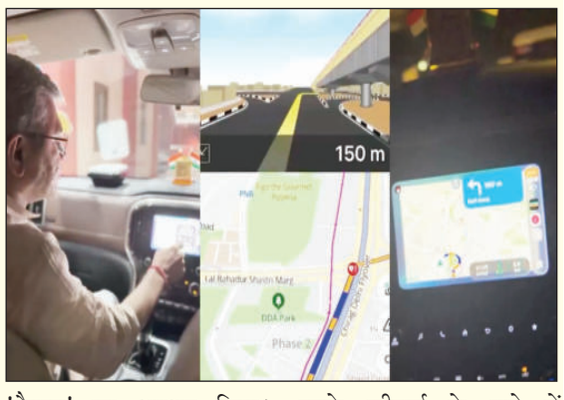

जल्द ही रेलवे करेगा उपयोग

केंद्रीय रेल एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मैपमाईइंडिया द्वारा विकसित पूरी तरह से भारत में निर्मित स्मार्ट नेविगेशन ऐप 'मैपल्स' का अनुभव किया। उन्होंने ऐप की विशेषताओं का प्रत्यक्ष परीक्षण किया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे स्वदेशी तकनीक अब वैश्विक मानकों से मेल खा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे और मैपल्स के बीच जल्द ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे ऐप की तकनीक का रेलवे प्रणालियों में उपयोग संभव हो सकेगा।

केंद्रीय मंत्री ने साझा किया अनुभव

केंद्रीय मंत्री ने अपने हैंडल से इस ऐप का एक वीडियो शेयर करते हुए लोगों से इसे एक बार ट्राई करने के लिए कहा है। उन्होंने वीडियो के माध्यम से इसके फीचर्स के बारे में जानकारी शेयर किया है। वीडियो में देख सकते हैं कि मैप में जहां भी अंडरपास या ओवरब्रिज आता है, वहां एक 3ऊ जंक्शन व्यू बन जाता है, ताकि उपयोगकर्ता को नेविगेशन में आसानी हो सके। गूगल मैप में आमतौर पर उपयोगकर्ता को ओवरब्रिज और अंडरपास में सही लेन चुनने में दिक्कत आती है। लेकिन यह दिक्कत मैपल्स ऐप में नहीं आएगी। यही नहीं इसके अलावा कहीं अगर आपको मल्टी स्टोरी बिल्डिंग या शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में जाना है तो वहां किस फ्लोर पर कौन सा शॉप है इसकी जानकारी मिलती है।

महाराष्ट्र में बाढ़ से तबाही, चुनाव से पहले सर्वदलीय बैठक

मुंबई

महाराष्ट्र में होने वाले आगामी निकाय चुनावों से पहले राज्य के बड़े राजनीतिक नेता एक मंच पर नजर आने वाले हैं। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने बताया कि 14 अक्तूबर को शरद पवार, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे समेत कई दलों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस, माकपा, सीपीआई और किसान मजदूर पार्टी के नेता भी शामिल होंगे। दिलचस्प बात यह है कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, जो महा विकास आघाड़ी का हिस्सा नहीं है, वह भी

इस मुलाकात का हिस्सा होगी। संजय राउत ने कहा कि यह एक औपचारिक मुलाकात होगी, लेकिन हम चुनाव आयोग के समक्ष कई गंभीर मुद्दे उठाएंगे। मुलाकात के बाद सभी नेता यशवंतराव प्रतिष्ठान सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

नागपुर के पूर्व पुलिस आयुक्त से 2.23 करोड़ की ठगी

नागपुर के पूर्व पुलिस आयुक्त अंकुश धनविजय के साथ 2.23 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस के मुताबिक, धनविजय ने दो दशक पहले मौजा वाघधारा (गुमगांव) क्षेत्र में चार एकड़ जमीन खरीदी थी। तीन साल पहले एक बिल्डर ने इस जमीन को आवासीय उपयोग के लिए विकसित करने का वादा किया और बदले में एक 3-बीएचके फ्लैट देने का करार किया। लेकिन, वादे के अनुसार काम न होने और धन वापस न मिलने पर धनविजय ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

सोनाली घोष को मिला आइयूसीएन केंटन मिलर पुरस्कार

नई दिल्ली

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं बाघ अभयारण्य की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सोनाली घोष अबू धाबी में आयोजित आइयूसीएन विश्व संरक्षण सम्मेलन में राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की स्थिरता में नवाचार के लिए प्रतिष्ठित डब्ल्यूसीपीए -केंटन मिलर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने दुनियाभर के

राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की दीर्घकालिक स्थिरता में अपना बड़ा योगदान दिया है। डॉ. घोष को यह सम्मान जैव विविधता संरक्षण और राष्ट्रीय उद्यानों के प्रबंधन में भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। उनका कार्य पार्क प्रबंधन को मजबूत करने, संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने तथा पर्यावरण अनुकूल पर्यटन माडल को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार 'गलत तरीका' था: चिदंबरम

ये केवल इंदिरा गांधी का फैसला नहीं था, उन्होंने इसकी कीमत जान देकर चुकाई: पी. चिदंबरम

कसौली
पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा, 'जून 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाया गया ऑपरेशन ब्लू स्टार 'गलत तरीका' था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। हालांकि, यह फैसला अकेले इंदिरा गांधी का नहीं था। इसमें आर्मी, पुलिस, 'इंटेलिजेंस और प्रशासनिक अफसर भी शामिल थे।' ऑपरेशन ब्लू स्टार पर बीते 6 महीने दूसरी बार बड़ा बयान आया है। इससे पहले 4 मई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वे कहते नजर आए थे कि 1984 का ऑपरेशन ब्लू स्टार गलती थी। जो भी गलतियां 80 के दशक में कांग्रेस से हुईं, मैं जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं।

खुशवंत सिंह लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए थे चिदंबरम
चिदंबरम शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कसौली पहुंचे थे। यहां खुशवंत सिंह लिटरेचर फेस्टिवल में पत्रकार हरिंदर बावेजा की किताब ' की चर्चा में शामिल हुए। बावेजा के कमेंट- इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के अपने फैसले की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।

इस पर चिदंबरम ने कहा था-
किसी सैन्य अधिकारी का अपमान किए बिना मैं कहना चाहता हूं कि स्वर्ण मंदिर को वापस पाने का वह गलत तरीका था। कुछ साल बाद हमने बिना सेना के उसे वापस पाने का सही तरीका दिखाया। ब्लू स्टार गलत तरीका था। मैं मानता हूं कि श्रीमती गांधी ने उस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।

चिदंबरम बोले- पंजाब की असली समस्या उसकी आर्थिक स्थिति
चिदंबरम ने बुक की चर्चा के दौरान कहा कि मेरे पंजाब दौरों के दौरान मुझे महसूस हुआ कि खालिस्तान या अलगाव की राजनीतिक मांग अब लगभग खत्म हो चुकी है।

चिदंबरम की ऑपरेशन ब्लू स्टार पर टिप्पणी से कांग्रेस में दरार?

नई दिल्ली
कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व वित्तमंत्री पी चिदंबरम के 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' पर की गई टिप्पणी ने राजनीति गलियारों में चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है। मामला इतना बढ़ गया है कि खुद कांग्रेस भी अब जोरो सोरो से उनकी टिप्पणी की आलोचना कर रही है। इसी क्रम में मामले में और गर्माहट तब आ गई जब कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने चिदंबरम की 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' पर की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार सही था या गलत, ये अलग बात है। लेकिन पी चिदंबरम को 50 साल बाद कांग्रेस पार्टी और इंदिरा गांधी पर हमला क्यों करना पड़ा?

'सबसे अधिक अवैध प्रवासी पंजाब से ही हैं'

जरनैल सिंह भिंडरावाले सिखों के कट्टर धार्मिक समूह दमदमी टकसाल का प्रमुख था। 13 अप्रैल 1978 को बैसाखी के दिन निरंकारी समुदाय का समागम हुआ। इस जुलूस के विरोध में भिंडरावाले ने दरबार साहिब के पास परंपरागत सिखों की सभा बुलाई और जोरदार भाषण दिया।
इसके बाद अखंड कीर्तनी जत्था और दमदमी टकसाल के लोगों का एक जुलूस निरंकारियों की तरफ बढ़ा। झड़प में 13 सिख और 2 निरंकारी मारे गए। 24 अप्रैल 1980 को निरंकारी पंथ प्रमुख गुरबचन सिंह की दिल्ली में उनके घर पर हत्या कर दी गई। अगले ही साल पंजाब केसरी के संस्थापक और संपादक लाला जगत नारायण की हत्या हुई। इन हत्याओं का आरोप भिंडरावाले और उसके नए पॉलिटिकल फ्रंट 'दल खालसा' पर था।
1982 में भिंडरावाले ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से सटे गुरु नानक निवास को अपना ठिकाना बना लिया। मंदिर के ठीक सामने अकाल तख्त है।

केंद्र की कांग्रेस सरकार ने 82 से 84 तक कई बार भिंडरावाले को पकड़ने की कोशिश की थी

यहीं से भिंडरावाले सिखों के लिए कट्टर उपदेश और आदेश जारी करने लगा था।केंद्र की कांग्रेस सरकार ने 82 से 84 तक कई बार भिंडरावाले को पकड़ने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रही। अप्रैल 1983 में उक्कृएएस अटवाल की स्वर्ण मंदिर के कैंपस में सरेआम हत्या हुई थी। जिसके बाद स्थिति बिगड़ती देख, अक्टूबर 1983 में पंजाब की विधानसभा भंग कर राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। दिसंबर 1983 में भिंडरावाले अकाल तख्त में जा घुसा। 27 मई 1984 को शिरोमणि अकाली दल के नेताओं ने भी भिंडरावाले को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन जब कोशिशें नाकाम हुईं, तो मिलिट्री ऑपरेशन का ही रास्ता बचा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस पूरे ऑपरेशन में 300 से 400 लोगों की मौत हुई, जबकि 90 सैनिक शहीद हुए। हालांकि चश्मदीद और मामले को करीब से देखने वाले लोगों की मानें तो करीब 1000 लोग मारे गए और 250 जवान शहीद हुए थे। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद स्वर्ण मंदिर परिसर में (बाएं से दाएं) मेजर जनरल कुलदीप बरार, जनरल कृष्णस्वामी सुंदरजी और थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य। ऑपरेशन लीड करने वाले तीन प्रमुख ऑफिसर्स में से दो सिख थे- स्वर्ण मंदिर में घुसने वाली फौज के कमांडर बरार और लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह दयाल। इन दोनों ने जनरल सुंदरजी के साथ मिलकर पूरा प्लान बनाया था।

ओडिशा की मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म,

कोलकाता
पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा महिला सांसद पर अज्ञात लोगों ने हमला करते हुए घायल कर दिया था। वहीं अब एक बार फिर बंगाल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दुगार्पुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेडिकल कॉलेज के साथ छात्रा से दरिंदगी
जानकारी के अनुसार पश्चिम बर्धमान जिले में ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुगार्पुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी।

अस्पताल में चल रहा पीड़िता का इलाज
छात्रा के साथ रात के अंधेरे में कॉलेज के पास सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रा के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

हर संभावित दिशा से जांच कर रही पुलिस
पत्रकारों से बात करते हुए छात्रा के माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटी के दोस्तों का फोन आने के बाद आज सुबह दुगार्पुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा हमें उसके दोस्तों का फोन आया और हमने घटना के बारे में बताया। हम आज सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस की तरफ से हर संभावित दिशा से जांच की जा रही है। जांच अधिकारी सभी सबूतों को इकट्ठा कर रहे हैं और गवाहों के बयान दर्ज कर रहे हैं। अभी तक इस पूरे मामले में किसी भी गिरफ्तार होना नहीं सामने आया है।

आरटीआई अधिनियम के 20 साल पूरे होने पर खरगे ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के 20 साल पूरे होने पर कहा कि आरटीआई ने शुरूआत में पारदर्शिता और जवाबदेही के नए युग की नींव रखी थी, लेकिन पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने इस कानून को व्यवस्थित रूप से कमजोर कर लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों को खोखला कर दिया है। खरगे ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि 20 साल पहले कांग्रेस नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मार्गदर्शन में आरटीआई अधिनियम लागू किया था। यह अधिनियम भ्रष्टाचार, सरकारी

जवाबदेही और सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए एक मजबूत उपकरण था, लेकिन 2014 के बाद इसके मूल उद्देश्य पर लगातार हमला हुआ।
उन्होंने कहा की साल 2019 में मोदी सरकार ने अधिनियम को बदल दिया और सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन पर नियंत्रण कर स्वतंत्र अधिकारी को नौकरशाहों जैसा बना दिया। 2023 में लागू हुए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून ने आरटीआई के सार्वजनिक हित वाले हिस्से को प्रभावित किया और भ्रष्टाचार की जांच में बाधा डाली। केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर कोई नियुक्त नहीं है और वर्तमान में आठ पद 15 महीनों से खाली हैं, जिससे अपील प्रक्रिया धीमी हो गई है और हजारों लोग न्याय पाने से वंचित हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने कोविड महामारी, राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2017-18, कृषि सर्वेक्षण 2016-2020 और पीएम केयर फंड के दौरान मौतों और आंकड़ों की जानकारी छुपाई, जिससे जवाबदेही से बचा जा सके।

सांसद पर हमला लोकतंत्र के खिलाफ सीधी कार्रवाई', कांग्रेस नेता पर पुलिस एक्शन पर भड़के थरूर

तिरुवनंतपुरम
कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल के वडाकरा से कांग्रेस सांसद शफी परमबिल पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए कथित हमले की कड़ी निंदा की है, उन्होंने कांग्रेस सांसद पर हमले को अस्वीकार्य बताया और कहा कि सांसद पर हमला लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। थरूर ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्षी सांसदों को बिना किसी डर और बिना किसी कानूनी कार्यवाही की चिंता के विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिए।

थरूर ने कांग्रेस सांसद पर हमले की निंदा की

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में शशि थरूर ने लिखा कि 'सांसद शफी परमबिल पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस का हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। एक लोकतंत्र में सांसदों को खासकर जो विपक्ष में हैं, बिना किसी डर के विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों और कानूनी सुरक्षा का उल्लंघन करती हैं। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जब सांसदों को विरोध प्रदर्शन करने के लिए निशाना बनाया जाता है यह लोकतांत्रिक जवाबदेही को कमजोर करता है। पुलिस की एक सांसद के खिलाफ निर्ममता न सिर्फ गलत है बल्कि यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।'
थरूर ने ये भी कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मामले को संसद की विशेषाधिकार समिति के सामने रखेगी। उन्होंने कहा कि 'भारत एक संसदीय लोकतंत्र है, जहां सांसद कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन उन्हें कानून में कुछ छूट मिली हुई है, जिससे वे अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को बिना किसी डर के पूरा कर सकें। कांग्रेस इस मामले को संसद की विशेषाधिकार समिति के सामने उठाएगी।'

ओवैसी ने बीजेपी को बताया मजबूत प्रतिद्वंदी, कहा- वे 24 घंटे काम करते हैं

नई दिल्ली
एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा को एक 'मजबूत राजनीतिक प्रतिद्वंदी' बताया और कहा कि भाजपा '24 घंटे काम करने वाली पार्टी' है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दलों को सतर्क रहना होगा, क्योंकि भाजपा चुनाव में पलभर में बाजी मार सकती है। उन्होंने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' अभियान से खुद को अलग रखते हुए कहा, 'मैं राहुल गांधी या उनकी पार्टी की तरफ से कुछ नहीं कह सकता। लेकिन अगर भाजपा को हराना है तो जिस तरह वो चुनाव लड़ते हैं, उसी तरह मेहनत करनी होगी। हमें उनके हर कदम पर नजर रखनी होगी।' ओवैसी ने एक पुराने अनुभव का जिक्र भी किया, '2009 या 2014 में मेरे संसदीय क्षेत्र में वोटर लिस्ट में डुप्लिकेट नाम थे। हमने जाकर उन्हें चुनौती दी थी। भाजपा एक मजबूत विपक्षी पार्टी है। आप पलक झपकते हैं और वो अपना काम कर लेते हैं। इसलिए सतर्क रहना जरूरी है, वोटर लिस्ट को जांचना जरूरी है।'

राहुल गांधी का 'वोट चोरी' अभियान
राहुल गांधी अब तक दो प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके हैं। 7 अगस्त को दिल्ली में राहुल गांधी ने कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू के महादेवपुरा क्षेत्र का हवाला देकर आरोप लगाया था कि वोटर लिस्ट में 1 लाख से ज्यादा गड़बड़ एंट्री हैं, जिनमें डुप्लिकेट वोटर, फर्जी पते और एक ही जगह पर कई वोट शामिल हैं। सितंबर महीने में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधा, जो मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने वालों की जानकारी छुपा रहा है।

बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर भी सवाल
ओवैसी ने चुनाव आयोग की तरफ से बिहार में की गई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह काम 'जल्दबाजी में' किया गया और नागरिकता की जांच गृह मंत्रालय का काम है। ओवैसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 65 लाख नाम हटाए गए और अब आयोग ने और 3.5 लाख नाम भी हटाए हैं।

आरटीआई अधिनियम को केंद्र ने कमजोर किया: जयराम रमेश

नई दिल्ली
कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने 2019 में सूचना का अधिकार अधिनियम में संशोधन कर इस कानून की मूल भावना को कमजोर किया है। सूचना के अधिकार कानून को लागू हुए आज 20 वर्ष पूरे हो गए हैं। कानून को 2005 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार लाई थी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी ने प्रेसवार्ता की। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रेसवार्ता में कहा कि पहले यह कानून नागरिकों और

मीडिया को सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जानकारी तक पहुंच देता था, लेकिन 2019 के संशोधनों ने इसकी ताकत को सीमित कर दिया और जवाबदेही पर असर डाला है।
रमेश ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम के इतिहास में जब इसका मसौदा तैयार किया गया था, तब इसे स्टैंडिंग कमेटी को भेजा गया। उस समय डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व की सरकार ने स्टैंडिंग कमेटी की सभी सिफारिशें मानते हुए कानून को सभी आवश्यक संशोधनों के साथ पारित किया। लेकिन, 2019 में मोदी सरकार ने स्टैंडिंग कमेटी द्वारा सुझाए गए संशोधनों को अस्वीकार कर दिया, जिससे अधिनियम को पहला बड़ा झटका लगा। उन्होंने कहा कि पहले अगर किसी सरकारी विभाग से जानकारी नहीं मिलती थी, तो लोग सूचना का अधिकार का इस्तेमाल कर जानकारी प्राप्त कर सकते थे। लेकिन 2019 के संशोधनों के बाद कई महत्वपूर्ण मामलों में जानकारी तक पहुंच पर असर पड़ा।

महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित नहीं किए जाने पर अफगान विदेश मंत्री ने दी सफाई

नई दिल्ली
अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने दो दिनों के भीतर रविवार को दोबारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की।आज की प्रेस वार्ता में उन्होंने शुक्रवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को आमंत्रित न किए जाने के उठे विवाद पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किसी जानबूझकर किए गए बहिष्कार के चलते नहीं था, बल्कि जल्दबाजी में दी गई सूचना और सीमित प्रतिभागियों की सूची के कारण ऐसा हुआ।
मुत्ताकी ने आज दिल्ली में एक बार फिर अफगान दूतावास में पत्रकार वार्ता की, जिसमें महिला पत्रकार भी मौजूद रही। उनके अनुसार यह तकनीकी मामला था और आयोजकों ने केवल कुछ चुने हुए पत्रकारों को आमंत्रित किया था।

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में गुलाबी ठंड, लौटता मानसून दक्षिणी राज्यों में करा रहा बारिश

नई दिल्ली/शिमला
उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून की वापसी के साथ ही गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। हिमाचल प्रदेश समेत पश्चिमी हिमालयी राज्यों में पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। उत्तराखंड में हेमकुंड साहिब और केदरनाथ धाम समेत कई जगहों पर दो फीट तक बर्फ जब गई है। इससे, पहाड़ी राज्यों के ऊंचाई वाले इलाकों में जहां रात का पारा शून्य को छूने लगा है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत मैदानी राज्यों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे आ गया है। हालांकि, लौटते मानसून के कारण पूर्वी और दक्षिण भारतीय राज्यों में कई स्थानों पर भारी बारिश का दौर भी जारी है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के इलाकों में अभी भी हल्की

बारिश होने की संभावना है। हिमालयी क्षेत्र में इस बार समय से पहले बर्फबारी शुरू हुई है।
आमतौर पर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अक्तूबर के आखिर या नवंबर में बर्फबारी शुरू होती है और दिसंबर तक भारी हिमपात होता है। लेकिन इस बार अक्तूबर के पहले हफ्ते से ही इन राज्यों में बर्फ गिरने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग, उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और हिमाचल के किन्नौर, लाहौल-स्पीति और कुल्लू जिलों में बर्फबारी होने लगी है। कहीं-कहीं दो-दो फीट बर्फ जम गई है। पहगाम में 2.8 और गुलमर्ग में 3.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। वहीं, उत्तराखंड के मुक्तेश्वर में यह 8.8, नई टिहरी में 9.8 और मसूरी में 11 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि हिमाचल के केलांग में माइनस 1 डिग्री, कुकुमसेरी में 2.3 और कल्पा में 3.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

बर्फबारी, पश्चिमी विक्षोभ से बढ़ी ठंड
मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों पर जल्दी बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ से चलने वाली ठंडी हवाओं के कारण उत्तर भारत में सर्दी समय से पहले महसूस की जाने लगी है।
अगर मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान की बात करें तो शनिवार को चंडीगढ़ में 18.1, हरियाणा के हिसार में 17.6 और फरीदाबाद में 17.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है और रात में ठंड होने लगी है। पालम में तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस कम है।
उत्तर प्रदेश के इटावा में न्यूनतम तापमान 17.6 और मेरठ में 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का यह भी कहना है कि ठंड का यह दौर थोड़ समय के लिए हो सकता है और उसके बाद फिर तापमान बढ़ने की संभावना है। हालांकि, इस बार 70 फीसदी संभावना है कि अधिक सर्दी पड़े।

आईपीएस वाई पूरन की आत्महत्या पर खरगे ने आईएएस पत्नी को लिखा पत्र

नई दिल्ली
हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने दिवंगत अधिकारी की पत्नी और आईएएस अधिकारी अमनीत पी कुमार को पत्र लिखकर संवेदनाएं व्यक्त की। खरगे ने पत्र में लिखा कि यह घटना उन्हें भीतर तक झकझोर गई है। पूरन कुमार सामाजिक पूर्वाग्रहों और विसंगतियों से जूझते हुए अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। यह जानकर उनके मन को गहरा आघात पहुंचा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने कई घटनाएं देखी हैं, लेकिन भेदभावपूर्ण सोच के कारण हुई यह दुखद घटना सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वालों के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। खरगे ने कहा कि जब देश चांद पर झंडा गाड़ने का गौरव प्राप्त कर रहा है, तब भी समाज में अन्याय और भेदभाव की घटनाएं होना अत्यंत शर्मनाक है। संविधान ने हमें जिन लोगों की पीड़ा और तकलीफ दूर करने का दायित्व दिया है, यदि हम उन्हें भी सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं तो यह चिंता का विषय है। खरगे ने पत्र में अमनीत को धैर्य और साहस बनाए रखने की सलाह दी और कहा कि शोक की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

इस वर्ष के आयोजन में एक बार फिर ग्रेट दिल्ली रन, चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन और सीनियर सिटीजन रन जैसी श्रेणियों के माध्यम से समावेशिता और विविधता का जश्न मनाया गया

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 20वें संस्करण में उमड़ा जोश

हर वर्ग के प्रतिभागी, चाहे वो पेशेवर, छात्र, सैनिक हों या वरिष्ठ नागरिक ही क्यों ना हों- आयोजन स्थल पर उमड़ पड़े

नई दिल्ली
राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार सुबह 40 हजार से ज्यादा धावक वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 20वें संस्करण का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए। हर वर्ग के प्रतिभागी, चाहे वो पेशेवर, छात्र, सैनिक हों या वरिष्ठ नागरिक ही क्यों ना हों- आयोजन स्थल पर उमड़ पड़े। शहर की सड़कें रंगों और सौहार्द के एक जीवंत कैनवास में बदल गईं।

इस वर्ष के आयोजन में एक बार फिर ग्रेट दिल्ली रन, चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन और सीनियर सिटीजन रन जैसी श्रेणियों के माध्यम से समावेशिता और विविधता का जश्न मनाया गया। इस प्रतियोगिता को दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई गई। साथ ही थलसेना, नौसेना और वायु सेना के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे। दिल्ली हाफ मैराथन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा, ह्लदिल्ली में यह एक खूबसूरत, ऊर्जा से भरपूर सुबह थी, जिसमें 40 हजार से अधिक धावक और 10 हजार महिलाओं ने भाग लिया। यह सुबह वास्तव में शहर और इसके लोगों की थी।" उन्होंने कहा, "जब 140 करोड़ भारतीय फिटनेस के लिए एक साथ आते हैं, तो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती और कोई भी हमें रोक नहीं सकता।" पहली बार तीनों रक्षा बलों ने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रतिभागियों के रूप में मैदान में उतारा, जिनका नेतृत्व एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह और वाइस एडमिरल एलएस पठानिया कर रहे थे। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हाफ मैराथन में भाग लिया। साथ ही उनके बेटों ने 10 किलोमीटर की रेस में भाग लिया।

अब मैराथन में भी महिलायें खुलकर हिस्सा ले रही हैं: कार्ल लुईस

अंतरराष्ट्रीय इवेंट एम्बेसडर ओलंपिक के दिग्गज कार्ल लुईस ने किनारे से ही उत्साहवर्धन किया। उनके साथ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और प्यूमा एम्बेसडर सरबजोत सिंह और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता तेजस्विन शंकर भी शामिल हुए। इस सबने इवेंट में स्टार पावर का तड़का लगाया। अंतरराष्ट्रीय इवेंट एम्बेसडर कार्ल लुईस ने कहा, एक धावक होने के नाते, मैं हमेशा इस बात से दंग रह जाता हूं कि ये एथलीट इतनी देर तक इतनी तेजी से कैसे दौड़ सकते हैं। यह

अविश्वसनीय है। आज के पुरुष और महिला कैटेगरी के धावक अद्भुत थे। अब मैराथन में भी महिलायें खुलकर हिस्सा ले रही हैं। यह दशार्ता है कि खेल कितनी दूर तक आ गया है। केन्याई लोगों ने एक बार फिर एलीट वर्ग में अपना दबदबा कायम किया। एलेक्स मटाटा ने पुरुषों की रेस 59:50 मिनट में जीती, जबकि लिलियन कासैट रेंगरुक ने 1:07:20 घंटे के समय के साथ महिलाओं का ताज अपने नाम किया। भारतीयों में अभिषेक पाल ने 1:04:17 घंटे में अपना तीसरा खिताब जीता। इसी तरह सीमा ने महिलाओं की रेस में 1:11:23 घंटे का समय लेकर जीत हासिल की। पर्दे के पीछे काम कर रहे 200 वॉलंटियर्स, 400 हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स, दिल्ली पुलिस, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) और एनडीएमसी द्वारा सहायता प्रदान की गई जिस कारण यह आयोजन बिना रुकावट के हो सका।

दिल्ली को देश का स्किल कैपिटल बनाने का लक्ष्य: शिक्षा मंत्री सूद

नई दिल्ली
कौशल भारत (स्किल इंडिया) केवल एक मिशन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में अग्रसर है। दिल्ली को देश की कौशल राजधानी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। यह बातें दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय के छठवें स्थापना दिवस पर कहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं को केवल डिग्री नहीं बल्कि कौशल, आत्मनिर्भरता से सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय इसी दृष्टि का परिणाम है जो युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण और उद्यमिता की दिशा में सक्षम बना रही है। सरकार शिक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में ठोस सुधारों और नवाचार को लेकर आगे बढ़ रही है।

12 जनवरी को मनाएंगे राष्ट्रीय युवा दिवस
शिक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लंबित विषयों के समाधान के लिए एक कोर कमेटी गठित करेगी जो समयबद्ध तरीके से समस्याओं का निस्तारण करेगी। साथ ही राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) को अब से हर वर्ष दिल्ली में विशेष रूप से मनाया जाएगा। वर्ष 2026 से यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होगा जिसमें देशभर के विद्यार्थी, नवोन्मेषक और युवा उद्यमी भाग लेंगे।

जैन मंदिर के शिखर में जड़ा 40 लाख का कलश चोरी

नई दिल्ली
उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर में जैन मंदिर से लगभग 40 लाख का कलश चोरी कर लिया गया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। शनिवार सुबह जैसे ही स्थानीय लोगों को कलश चोरी होने की खबर मिली, मंदिर के बाहर भीड़ जुट गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मंदिर कमेटी को थाने बुलाने लगे तो इस पर लोग नाराज हो गए। बाद में खुद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पुलिस को पता चला

कि वारदात शुक्रवार रात को हुई। उस समय लोग करवाचौथ में व्यस्त थे। आरोपी ने इसका फायदा उठाया और कलश ले गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष नीरज जैन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

डीएमआरसी ने 500 मिलियन यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए आमंत्रित की बोलियां

नई दिल्ली
दिल्ली मेट्रो के संचालन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा अब प्रति वर्ष 500 मिलियन यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए बोलियां आमंत्रित की जा रही हैं। डीएमआरसी अपने यात्रियों को सदैव स्वच्छ, हरित और निर्बाध सार्वजनिक परिवहन सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रही है।
अपनी मौजूदा बिजली मांग के एक बड़े हिस्से को पूरा करने के लिए,

डीएमआरसी पहले से ही रीवा सोलर पार्क से वार्षिक तौर पर लगभग 350 मिलियन यूनिट बिजली ले रही है और डीएमआरसी के स्टेशनों, डिपो तथा कर्मचारी कॉलोनियों की छतों पर स्थापित रूफटॉप सोलर प्लांट से वार्षिक तौर पर 40 मिलियन यूनिट बिजली उत्पन्न हो रही है। डीएमआरसी में परिचालन समय के दौरान वर्तमान नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कुल बिजली उपयोग का लगभग 33 प्रतिशत और दिन के समय मेट्रो परिचालन के दौरान लगभग 65 प्रतिशत है। दिल्ली और एनसीआर में डीएमआरसी को प्रति वर्ष 500 मिलियन यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति करने के लिए भारत में कहीं भी ग्रिड से जुड़ा कैप्टिव जनरेटिंग प्लांट और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) स्थापित करने हेतु एक 'सौर ऊर्जा डेवलपर' का चयन करने हेतु बोलियां आमंत्रित की जा रही हैं। यह भारत के स्वच्छ और अधिक लचीली भावी ऊर्जा के लिए सहायता करने की दिशा में एक कदम है। डीएमआरसी द्वारा अधिक नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) बिजली के लिए बोली आमंत्रित करने का मुख्य उद्देश्य अपने ऊर्जा पोर्टफोलियो में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को वर्तमान 33% से बढ़ाकर अपनी कुल ऊर्जा आवश्यकता (फेज-क्स नेटवर्क के विस्तार सहित) के 60% से अधिक करना है। इस पहल के साथ, डीएमआरसी भारत की पहली मेट्रो रेल परियोजना बन जाएगी जो टिकाऊ और कम कार्बन वाले परिचालन की ओर ट्रांजिशन के लिए 60% से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करेगी। निर्धारित पूर्णता अवधि कार्य सौंपे जाने की तिथि से 15 महीने होगी और बिजली खरीद समझौते की अवधि 25 वर्ष होगी। बोली प्रक्रिया अनुमोदित सरकारी मानदंडों के अनुसार लागू होगी।

पटाखों पर बैन हटाने या जारी रखने का फैसला सिर्फ सुप्रीम कोर्ट करेगा

नई दिल्ली
दिल्ली में पटाखों पर बैन को लेकर अब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। वहीं इसपर राजनीतिक दलों के नेताओं के बयान भी आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बयान दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि चाहे यमुना किनारे छठ पूजा का आयोजन हो या दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध दोनों मामले अदालत की सीधी निगरानी में हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि करीब एक महीने पहले जस्टिस

बी.आर. गवई ने अपनी राय रखते हुए कहा था कि अगर पटाखों पर बैन लगाया जा रहा है, तो यह सिर्फ एनसीआर में नहीं बल्कि पूरे देश में लागू होना चाहिए। भारद्वाज ने कहा कि पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर रोक लगाई थी और अब वही कोर्ट इस बैन को हटा सकता है या जारी रख सकता है।

जमानत लेकर फरार हो गया था डिग्रीधारी, देता था लूट को अंजाम

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से एमएससी और एम.फिल. पास एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। आरोपी डीयू के किरोड़ीमल कॉलेज का छात्र रहा है। उसने कॉलेज से बीएससी ऑनर्स किया हुआ है। आरोपी की पहचान हरिनगर, सोहना गुरुग्राम निवासी दीप शुभम (32 वर्ष) के रूप में हुई है। वर्ष 2017 में आरोपी ने अकेले ही सीतामढ़ी बिहार में बैंक ऑफ इंडिया पर धावा बोलकर वहां से कैश लूट लिया था। लूटपाट के दौरान आरोपी ने रसायन विज्ञान का इस्तेमाल करते हुए पटाखों के साथ कोई केमिकल मिलाकर धुएं वाला बम

तैयार किया। उसकी मदद से वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में आरोपी को सजा हो गई थी।
विज्ञापन

सूचना के आधार पर पुलिस ने दबोचा
आरोपी जमानत लेकर दिल्ली आ गया और कभी कोर्ट का रुख नहीं किया। दिल्ली आने के बाद वर्ष 2021 में आरोपी ने अलग-अलग दो ज्वेलर को निशाना बनाकर लूटपाट की। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में वह जमानत पर बाहर आ गया। यहां भी उसने कभी कोर्ट का रुख नहीं किया। अदालत ने इसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि नौ अक्तूबर को उनकी टीम को सूचना मिली थी कि मॉडल टाउन इलाके में दो ज्वेलर के यहां हुई लूट के मामले में फरार बदमाश हरिनगर, गुरुग्राम आने वाला है। खबर मिलते ही फौरन एक टीम का गठन किया गया। बाद में आरोपी को दबोच लिया गया।

इन मामलों में थी आरोपी की पुलिस को तलाश
छानबीन के दौरान पुलिस 17 सितंबर 2021 को आरोपी ने मॉडल टाउन के गुजरावाला स्थित बी-ब्लॉक में नामी ज्वेलर के यहां लूटपाट की। आरोपी पिस्टल लेकर ज्वेलर के दफ्तर में घुस गया। वहां आरोपी ने उत्तम नगर निवासी महिला कर्मचारी मनमीत गुलेरिया को बंधक बनाकर लूटपाट की। आरोपी ने वहां से 6.06 लाख रुपये लूट लिए। बाद में जाते समय आरोपी ने मनमीत व सुरक्षा गार्ड को एक जगह बंधक बनाकर उनके मोबाइल फोन भी लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया।

झपटमारी करने वाले दो घोषित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली
द्वारका जिले की जेल बेल सेल टीम ने झपटमारी करने वाले दो घोषित बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से आठ लाख रुपये कीमत की सोने की 6 चेन व अन्य गहनों के अलावा वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। बदमाशों की पहचान जितेंद्र उर्फ पंजाबी (32) व दीपक लोहचब (32) के रूप में हुई है। छावला और नजफगढ़ में हुई वारदातों की जांच में सीसीटीवी कैमरों की 400 से अधिक फुटेज की जांच की गई।

मानसिक अस्वस्थ महिला के लिए फरिश्ता बनी पुलिस

नई दिल्ली
मध्य प्रदेश की रहने वाली मानसिक अस्वस्थ एक गर्भवती महिला किसी तरह घूमते हुए दिल्ली पहुंच गई। सीमापुरी इलाके में एक सितंबर को महिला रोते हुए पुलिस को मिली। पूछताछ करने पर महिला बस अपना नाम और जिले का ही नाम बता पा रही थी। महिला की हालत को देखते हुए पुलिस ने उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में कोर्ट के आदेश पर महिला को इहबास अस्पताल में भेज दिया गया। वहां महिला ने समय पूर्व एक बच्ची

को जन्म भी दिया, लेकिन बच्ची की जान नहीं बच पाई। पुलिस लगातार उसके परिवार की तलाश में जुटी रही। करीब 37 दिन बाद पुलिस की मेहनत रंग लाई और आखिर उसके परिवार को ढूंढ ही लिया गया। मानसिक अस्वस्थ महिला ने अपने परिवार को पहचान लिया और बेहद खुश हुई। महिला के मिलने के बाद परिवार भी पुलिस का धन्यवाद करते नहीं थक रहे।

30 अक्तूबर के बाद फिर से खोला जाएगा चिड़ियाघर

नई दिल्ली
राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) 30 अक्तूबर के बाद फिर से दर्शकों के लिए खोला जाएगा। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, कोई सक्रिय वायरस मौजूद नहीं है लेकिन एहतियात के तौर पर दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए दो और निगरानी नमूने लिए जाएंगे, उनके परिणाम के आधार पर फैसला लिया जाएगा। चिड़ियाघर प्रबंधन सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी सभी निर्धारित जैव सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन कर रहा है।

निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि 15 दिनों के अंतराल पर नमूने लेने के दो अतिरिक्त दौर आयोजित किए जाएंगे। इन निगरानी नमूनों के परिणामों के आधार पर 30 अक्तूबर के बाद चिड़ियाघर को आगंतुकों के लिए फिर से खोलने का निर्णय लिया जाएगा। निदेशक ने बताया कि चिड़ियाघर अपने पशु संग्रह के स्वास्थ्य और कल्याण के साथ-साथ आगंतुकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एवियन इन्फ्लूएंजा (एच 5एन8) के प्रसार को रोकने के लिए चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदमों में जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्त पालन, नियमित निगरानी और पशु स्वास्थ्य की लगातार जांच शामिल है। चिड़ियाघर के फिर से खुलने की संभावना से स्थानीय निवासियों और पर्यटकों में उत्साह देखा जा रहा है। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, चिड़ियाघर दोबारा खोलने के बाद सभी आगंतुकों के लिए सुरक्षा और स्वच्छता के नए दिशा-निर्देश लागू किए जाएंगे।

राजधानी में अनोखी जनरल गश्त, रात में विशेष पुलिस आयुक्त भी उतरे सड़कों पर

नई दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी में अनोखी जनरल गश्त(रात के समय में सभी पुलिस अधिकारियों को इलाके में उतरना) होने जा रही है। दिल्ली पुलिस में ऐसा पहली बार हो रहा है कि सब-इंस्पेक्टर(एसआई) से लेकर विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सीपी) गश्त के दौरान सड़कों पर उतरेंगे। बीती रात गश्त की जांच के लिए पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा पहुंचे। एसआई से लेकर स्पेशल सीपी को ये भी बताया गया है कि उन्हें जनरल गश्त के दौरान क्या करना है। सभी बड़े क्राइम सीन या संगठित अपराध वाली जगहों पर पीसीआर वैन, ट्रैफिक कर्मी, गश्त

करने वाली मोटरसाइकिल, इंस्पेक्टर व उनसे सीनियर पुलिस अधिकारी अब मौके पर पहुंचेंगे। जरनल गश्त नियमित अंतराल पर हुआ करेगी। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त(अपराध) देवेश चंद्र श्रीवास्तव की ओर से नौ अक्तूबर को जारी एक आदेशानुसार जनरल गश्त 11 व 12 अक्तूबर की रात 12 बजे से तड़के 4 बजे तक होगी। एसआई से लेकर विशेष सीपी तक के जनरल गश्त के दौरान सड़कों पर उतरेंगे। आदेश के साथ एक परफोमा भी दिया गया है, जिसे जनरल गश्त को लेकर भरकर पुलिस आयुक्त कार्यालय भेजना है। आदेश में ये भी बताया गया है कि फलां रेंक के अधिकारी को कौनसी और क्या रिपोर्ट भेजनी है।

जनरल गश्त में किसको क्या करना है-
एसआई
पुलिस स्टेशन के रात्रि जांच अधिकारी के रूप में क्षेत्र का पर्यवेक्षण करना।
निर्धारित पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रात्रि गश्त करवाना सुनिश्चित करना।
गश्त और पिकेट स्टाफ को निर्देश जारी करना।
संदिग्धों और वाहनों की एफआरएस जांच,
ई-बीट-बुक एप का उपयोग करके संदिग्धों की जांच करना
सीआरआईएस आदि के माध्यम से संदिग्धों की जांच करना ।
क्लस्टर और अन्य संवेदनशील या अपराध-प्रवण स्थानों का निरीक्षण।
पुलिस स्टेशन के किसी भी पिकेट बिंदु पर कम से कम एक घंटे तक पिकेट जांच करना।
युवाओं को बाहर ले जा रहे वाहनों की जांच करना।

फर्जी पासपोर्ट से भरी उड़ान, यूएई से डिपोर्ट होकर भारत में फंसा; धोखाधड़ी में गिरफ्तार

नई दिल्ली
ब्लैक लिस्ट किए जाने के सात साल बाद एक व्यक्ति दूसरे नाम से पासपोर्ट बनवाकर यूएई पहुंच गया। एयरपोर्ट पर तकनीकी जांच के जरिए फजीर्वाड़े का खुलासा हो गया। यूएई एयरपोर्ट के अधिकारियों ने उसे तुरंत भारत निर्वासित कर दिया। आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचने पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने फजीर्वाड़ा का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी यात्री से पूछताछ कर फजीर्वाड़े में शामिल आरोपियों

की पहचान करने में जुटी है। सात अक्तूबर की देर रात पंजाब के जालंधर का रहने वाला सतनाम नाम का व्यक्ति यूएई से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा। उसके पास पासपोर्ट था। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि यूएई में ब्लैकलिस्ट होने की वजह से उसे वहां प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। लेकिन उसके पासपोर्ट की जांच में पता चला कि उसने इससे पहले यूएई की यात्रा नहीं की थी। शक होने पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने यात्री से पूछताछ की। सतनाम ने खुलासा किया कि उसका असली नाम नसतार है। उसने नसतार नाम से पासपोर्ट बनाकर यूएई गया था, लेकिन अवधि से अधिक वहां रुकने की वजह से उसे पकड़ लिया गया और बाद में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया।

संपादक की कलम से

माया की नजर दलित-ओबीसी-ब्राह्मण त्रिकोण पर

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने .09 अक्टूबर को लखनऊ में मान्यवर काशीराम जी जयंती पर एक बड़ी जनसभा की। बहनजी ने काफी लम्बे समय के बाद कोई जनसभा की थी,लेकिन उनके अंदाज वही पुराने थे। चेहरे पर शांति का भाव और दिल में समाज के प्रति समर्पण। मायावती तीखे राजनीतिक दांव चलने वाली नेता मानी जाती रही हैं। समय-समय पर वह अपनी राजनीति में नये-नये प्रयोग भी करती रहती हैं। इसी तरह से 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए उनकी रणनीति में बड़ा बदलाव दिखाई देने लगा है। इस बार चर्चा है कि मायावती अपने पारंपरिक मुस्लिम वोट बैंक पर सीधे दांव लगाने से बच सकती हैं और इसके बजाय अपने पुराने कोर वोटर्स दलित समाज के साथ-साथ अन्य जातीय समूहों को साधने की कोशिश कर रही हैं। ऐसा लगता है कि बहनजी 2007 की तरह से 2027 में भी सामाजिक समीकरण साधना चाहती हैं।

पिछले चुनावों में मायावती ने कई सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर सपा के साथ मुस्लिम समुदाय में पैठ बनाई थी। लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने उन्हें एक नया गणित सिखाया है। मुस्लिम मतदाता लगातार सपा या कांग्रेस के पक्ष में जाता दिखा, जिससे बसपा को अपेक्षित फायदा नहीं मिला। 2027 में मायावती शायद मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या घटाकर, गैर-यादव ओबीसी, गैर-जाटव दलित और ब्राह्मण वोटरों को प्राथमिकता देने का रास्ता अपनाएं। इससे वह सपा-कांग्रेस के मुस्लिम-यादव गठजोड़ से टकराव से बचेंगी और अपनी अलग पहचान बनाए रखेंगी।

मायावती जानती हैं कि दलित वोट बैंक बसपा की रीढ़ है, लेकिन इसमें विस्तार के बिना सत्ता तक पहुंच नामुमकिन है। इसके लिए वह निम्न वर्गों में आर्थिक व सामाजिक मुद्दों को जोर-शोर से उठाने की योजना बना रही हैं। मायावती की नजर गैर-यादव ओबीसी समुदाय (कुर्मी, मौर्य, लोध, निषाद आदि), ब्राह्मण वर्ग, जो भाजपा से कुछ असंतोषित है, युवा बेरोजगार, खासकर ग्रामीण इलाकों के, महिलाएं, जिन्हें कानून-व्यवस्था और सुरक्षा का मुद्दा सीधे प्रभावित करता है, पर लगी हुई है। इसके तहत मायावती दलित-ओबीसी-ब्राह्मण का नया त्रिकोणीय वोट बैंक बनाने की कोशिश कर सकती हैं, ताकि मुस्लिम वोटों से परे भी उनके पास निर्णायक समर्थन हो।

हाल ही में मायावती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था और कुछ विकास योजनाओं की सार्वजनिक तारीफ की है।

त्योहारों का सेल्फी ड्रामा: त्योहार हमारे समाज की होते हैं आत्मा

– वह समय जब इंसान ईश्वर, प्रकृति और अपने संबंधों के प्रति आभार व्यक्त करता है। लेकिन अब हर त्योहार के साथ एक नया किरदार जुड़ गया है– मोबाइल कैमरा। जैसे ही दीपक जलता है, आरती की थाली घूमती है या राखी बंधती है, पहला सवाल यही होता है– फोटो ली क्या?। पहले पूजा पूरी होती थी, फिर प्रसाद बाँटा जाता था; अब पहले स्टोरी लगती है, फिर पूजा होती है। यह वही भारत है जहाँ कभी मन का उत्सव मनाया जाता था, आज वही मीडिया का उत्सव बन गया है।

दीपावली अब दीपों की नहीं, सजावट की पोस्टों की रात है। घरों की सफाई से ज्यादा लोग कैमरे का कोण सुधारने में व्यस्त रहते हैं। माता लक्ष्मी की प्रतिमा की पूजा से पहले बूमरैंग बनता है, और पटाखों से पहले कैप्शन तय होता है। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति का त्योहार सोशल मीडिया पर दिखना चाहिए, वरना वह अधूरा है। यह डिजिटल प्रतिस्पर्धा अब भक्ति से ज्यादा लाइक का खेल बन चुकी है।

करवा चौथ जैसे व्रतों का जो भाव था – प्रेम, समर्पण और आशीर्वाद-वह अब फोटो खिंचवाने और छूट वाले ऑफर में बँट गया है। सेल्फी विद सासू माँ, उपवास वाला चेहरा और चाँद के साथ तस्वीर जैसी प्रवृत्तियाँ अब त्योहार की नई पहचान हैं। पहले चाँद देखने का रोमांच था, अब क्लिक करने का जुनून है। एक जमाना था जब महिलाएँ साड़ी पहनती थीं पूजा के भाव से; आज वही साड़ी ब्रांड को टैग करने का साधन बन गई है। त्योहार अब प्रेम का नहीं, प्रदर्शन का पर्व बन गया है।

होली भी अब रंगों का नहीं, रंगीन दिखावे का खेल है। पहले जो चेहरे रंगों में डूबे होते थे, अब वे फि ल्टर में धुल चुके हैं। लोग अब एक-दूसरे को रंग लगाने से ज्यादा डरते हैं कि कपड़े खराब हो जाएँगे, फोटो में अच्छा नहीं लगूँगा।

सेल्फी विद गुलाल में रंग तो हैं, पर अपनापन नहीं। यह होली अब मन की नहीं, मेकअप की होली बन गई है।

ईद, क्रिसमस, नवरात्र–हर धर्म का उत्सव अब एक ही रंग में रंग गया है – डिजिटल दिखावे का रंग। मस्जिद या गिरजाघर के सामने मुस्कुराती तस्वीरें, थाली में सजे पकवानों के फोटो, और शीर्षक–प्यार और शांति बाँट रहे हैं। पर क्या सचमुच प्यार और शांति फैल रही है, या बस दिखावा? त्योहार अब इंसान को जोड़ने की बजाय, तुलना और प्रतिस्पर्धा का कारण बनते जा रहे हैं। उसकी लाइटिंग ज्यादा सुंदर, उसका मंडप बड़ा, उसके पास महँगी सजावट– यह सब उस आत्मीयता को निगल गया है जो कभी परिवारों की पहचान थी।

यह सेल्फी नाटक इतना गहरा हो चुका है कि अब भक्ति का भी अभिनय होता है। मंदिर में जाते ही लोग पहले फोन निकालते हैं, फिर हाथ जोड़ते हैं। आरती लाइव होती है, पर मन ऑफलाइन। दान सोशल मीडिया पर दिखाया जाता है, ताकि दूसरों को पता चले कि हम भी नेक हैं। भक्ति निजी नहीं रही, सार्वजनिक प्रदर्शन बन गई है। आस्था अब आत्मा से नहीं, प्रसारण से चलती है।

मनोविज्ञान की दृष्टि से देखें तो यह डिजिटल आस्था एक गहरी बेचैनी का परिणाम है। इंसान अब अपने हर अनुभव का प्रमाण सोशल मीडिया से चाहता है। उसे लगता है कि अगर कोई चीज कैमरे में नहीं आई तो वह हुई ही नहीं। यही कारण है कि अब त्योहारों में मुस्कान असली नहीं, अभ्यास की हुई होती है। बच्चे तक कैमरे के सामने हैप्पी दिवाली बोलना सीख चुके हैं। रिश्तों की गर्माहट अब कैमरे की ठंड में जम गई है।

त्योहारों का असली अर्थ था – रुकना, साँस लेना, जुड़ना।

अब अर्थ बदल गया है–सजना, पोस्ट करना, भूल जाना।

लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि त्योहार का मूल कारण क्या था–बस इतना याद रहता है कि किस दिन क्या पोस्ट करना है। यह सेल्फी संस्कृति धीरे-धीरे उस आध्यात्मिक गहराई को खा रही है जो भारतीय समाज की पहचान थी।

अब त्यौहार आत्मा का नहीं, छवि का दर्पण बन गए हैं।

बाजार ने भी इस प्रवृत्ति को भुनाने में देर नहीं लगाई। हर त्यौहार से पहले सेल्फी पृष्ठभूमि, फोटो मंच, डिजिटल सजावट और त्योहार संग्रह की बाढ़ आ जाती है। पूजा की थाली से ज्यादा महत्त्व अब पैकेजिंग का हो गया है। त्योहार अब आध्यात्मिक नहीं, ब्रांडेड अवसर बन चुके हैं। दीपावली अब ऑनलाइन खरीदारी पर्व है, नवरात्र गरबा नाइट्स प्रायोजित कार्यक्रम है, और होली कलर ब्लास्ट आयोजन बन चुकी है। जहाँ पहले त्योहार आत्मा को शुद्ध करते थे, अब वह जेब को खाली कर देते हैं।

सोशल मीडिया पर दिखावे की इस होड़ ने समाज में एक अजीब-सी भावनात्मक दूरी पैदा कर दी है। लोगों को लगता है कि उन्होंने दूसरों की फोटो देखकर उनसे जुड़ाव बना लिया – जबकि असल में वह जुड़ाव एक भ्रम है। त्योहार जो कभी सबको साथ लाते थे, अब लोगों को अकेला कर रहे हैं। हर कोई अपने फोन में बंद है, दूसरे की मौजूदगी सिर्फ स्क्रीन पर है। परिवार की फोटो तो पूरी है, लेकिन परिवार बिखरा हुआ है।

यह सब लिखते हुए एक प्रश्न चुभता है–क्या हम ईश्वर से जुड़ रहे हैं या नेटवर्क सिग्नल से? क्या हमें खुशी मिल रही है या बस प्रतिक्रिया? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारे त्योहार अब आत्मा से नहीं, कैमरे की चमक से रोशन हो रहे हैं?

त्योहारों का असली अर्थ तब लौटेगा जब हम कैमरा नीचे रखकर, किसी के चेहरे पर सच्ची मुस्कान देखेंगे। जब दीया सिर्फ.फोटो के लिए नहीं, अंधेरे के लिए जलाया जाएगा। जब करवा चौथ पर फोटो नहीं, साथ बैठकर एक-दूसरे की आँखों में सुकून ढूँढा जाएगा। जब होली पर रंग लगाते वक्त डर नहीं, अपनापन होगा। त्योहार तब लौटेंगे, जब हम दिखाना बंद करेंगे – और महसूस करना शुरू करेंगे।त्योहारों का यह सेल्फी ड्रामा तभी खत्म होगा जब इंसान अपने अंदर झाँककर यह कह सके–मुझे किसी की लाइक नहीं चाहिए, मुझे बस अपने अपनों की सच्ची मुस्कान चाहिए।

संघ की विचारधारा पर क्यों उठती है बार-बार उंगली

अजय कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 साल का जश्न मना रहा है। इन सौ सालों में संघ ने देश में अपनी जड़ें काफी मजबूती से जमा ली। यह सब तब हुए जबकि कांग्रेस की सरकारों ने संघ पर प्रतिबंद्ध सहित उसको लेकर जनता के बीच खूब जहर उगला था। यहां तक की संघ की राष्ट्रभक्ति पर भी सवाल खड़े किये गये। यह भ्रम फैलाया गया कि संघ आजादी की लड़ाई के समय संघ के साथ खड़ा था। दलितों और महिलाओं को संघ में सम्मान नहीं मिलने का आरोप लगाया गया। कुल मिलाकर संघ ने सौ सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। संघ की समाज के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता किसी से छिपी नहीं है,इसीलिये तमाम आरोपों के बाद भी संघ ने अपनी विचारधारा पर कभी समझौता नहीं किया। यह सच है कि संघ पर कई बार प्रतिबंध लगाया गया तो कांग्रेस की ही सरकारों ने समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना भी की,लेकिन संघ ने कभी भी अपने ऊपर लगे आरोपों का खुलकर खंडन नहीं किया। ऐसा इस लिये है क्योंकि संघ कभी खुलकर समाज के सामने नहीं आता है। न ही अपने किये सामाजिक कार्यो की वाहवाही बटोरता है,लेकिन संघ को सबसे अधिक विचलित तब होना पड़ता है,जब उस पर देष की आधी आबादी यानि महिलाओं की अनदेखी का आरोप लगता है। संघ पर आरोप लगाया जाता है कि वह अपनी विचारधारा और संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पुरुषों जितना सम्मान और स्थान नहीं देता। आलोचक कहते हैं कि संघ में महिलाओं को नेतृत्व भूमिका में जगह बहुत कम मिलती है। लेकिन संघ स्वयं इस धारणा का खंडन करता आया है। उसका कहना है कि महिलाओं की गरिमा और शक्ति के बिना राष्ट्र का अस्तित्व ही अधूरा है। यही कारण है कि संघ ने वर्षों से महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और संस्कार निर्माण की दिशा में कई कार्य योजनाएं चलायी हैं।

संघ और उससे जुड़े संगठनों ने महिलाओं की उन्नति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिये अब तक किस प्रकार के कार्य किए हैं, साथ ही कि किन क्षेत्रों में अभी भी और काम की आवश्यकता महसूस की जाती है। इस पर गौर किया जाये तो देखने में यही आता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वयं पुरुषों का संगठन है। परन्तु इसकी समानांतर शाखा महिलाओं के लिए राष्ट्र सेविका समिति के रूप में कार्यरत है। यह संगठन 1936 में डॉ. हेडगेवार के सुझाव से स्थापित हुआ। इसका उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना था। समिति आज देशभर में हजारों शाखाएँ चला रही है। इन शाखाओं में युवतियों और महिलाओं को मानसिक व शारीरिक दृष्टि से सशक्त बनाने की दिशा में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। दंड, योग, गीत, व्याख्यान, साहित्य अध्ययन और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं इनके नियमित आयोजन का हिस्सा हैं। इस समिति के माध्यम से अनेक महिला कार्यकर्ता समाज सेवा के क्षेत्र में आगे आयीं। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और शहरी बस्तियों में समिति की सेविकाएँ शिक्षा का प्रसार कर रही हैं, महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं और संस्कार शिक्षा भी दे रही हैं। संघ का मानना है कि भारत का स्वर्णिम भविष्य केवल शिक्षित और संस्कारित पीढ़ी के निर्माण से ही संभव है। इसी उद्देश्य से संघ के प्रेरणा से अनेक शिक्षण संस्थानों की स्थापना हुई, जिनमें लड़कियों की संख्या उल्लेखनीय है।विद्या भारती नामक शिक्षण संगठन आज भारत का सबसे बड़ा शैक्षिक नेटवर्क है। इसके विद्यालयों में बालिकाओं को संस्कारित शिक्षा प्रदान की जाती है। विज्ञान, गणित और कला जैसे विषयों के साथ नृत्य, संगीत व योग का अभ्यास भी कराया जाता है।आदिवासी बस्तियों में चलाए जा रहे एकल विद्यालय योजनाओं से बड़ी संख्या में लड़कियां शिक्षा से जुड़ी हैं। इन विद्यालयों से दूर-दराज की पहाड़ी और वनवासी बालिकाओं तक शिक्षा पहुँच रही है। छात्राओं को छात्रवृत्ति और मार्गदर्शन देकर उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर करने पर भी बल दिया जाता रहा है। संघ से जुड़े संगठनों का प्रयास रहा है कि शिक्षा केवल पढ़ाई लिखाई तक सीमित न होकर चरित्र निर्माण और राष्ट्रप्रेम से भी जुड़ी हो।

महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी अनेक योजनाएँ संघ व उसकी सहयोगी संस्थाएँ चला रही हैं। सेवा भारती संगठन देशभर में हजारों सेवा केंद्र चला रहा है। इनमें महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जाते हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में बालिकाओं के लिए पोषण आहार वितरण, आयरन की गोलियाँ, स्वास्थ्य परामर्श और स्वास्थ्य शिक्षा का कार्य होता हैगर्भवती महिलाओं की मदद, प्रसव के समय सहयोग, और बच्चों की देखभाल से जुड़ी योजनाओं के पीछे संघ की स्वयंसेविकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महिला जागरूकता अभियान चलाकर मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण और परिवार स्वास्थ्य जैसे विषयों पर ज्ञान फैलाया जाता है। संघ का उद्देश्य केवल महिलाओं को शिक्षित करना भर नहीं है।

एक गोली, पंद्रह नाम और सन्नाटा

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की प्रशासनिक मशीनरी में 7 अक्टूबर की सुबह एक ऐसी गूंज उठी, जिसने नौकरशाही के चेहरे से शालीनता का मुखौटा उतार फेंका। सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने सरकारी आवास पर खुद को गोली मार ली। पर यह आत्महत्या नहीं, व्यवस्था के भीतर पल रहे जातिगत भेदभाव, सत्ता संघर्ष और संस्थागत उत्पीड़न का परिणाम थी। अब चंडीगढ़ पुलिस ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसने इस सन्नाटे को कानून के दस्तक में बदल दिया है।

एफआईआर नंबर 156, जिसमें डीजीपी शत्रुजीत कपूर, रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित 14 अफसर आरोपी बनाए गए हैं, भारतीय प्रशासनिक इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना है। भारत न्याय संहिता की धारा 108, 3(5) और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(१) के तहत दर्ज यह मामला इस सच्चाई की गवाही देता है कि नौकरशाही की ऊँची दीवारों के भीतर भी जाति आज भी उतनी ही जीवित है जितनी गांवों की गलियों में।

पूरन कुमार के सुसाइड नोट में 15 आईएएस-आईपीएस अफसरों के नाम दर्ज हैं। हर नाम एक आरोप है, और हर आरोप यह सवाल है कि क्या एक सविधानिक पद पर बैठा अधिकारी भी इस देश में अपनी जाति की जंजीरों से मुक्त नहीं हो सकता? उन्होंने लिखा कि उन्हें लगातार साइड पोस्टिंग दी जाती रही, उनकी योग्यता को दबाया गया, और उन्हें जातिगत तंज और धमकियों से मानसिक रूप से तोड़ा गया।

पूरन कुमार का कैरियर रिकॉर्ड इस बात की पुष्टि करता है। मेहनत और ईमानदारी से उन्होंने पुलिस सेवा में पहचान बनाई, पर उन्हें बार-बार कम प्रभावी पदों पर भेजा गया – कभी आईजी होमगार्ड, कभी आईजी टेलीकम्युनिकेशन। जब अप्रैल 2025 में उन्हें रोहतक रेंज का आईजी बनाया गया, तब उन्होंने यह सोचा होगा कि अब मेहनत का फल मिला है। लेकिन मात्र पांच महीने बाद ही उन्हें सुनारिया पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज भेज दिया गया – और वहीं से उनकी मानसिक गिरावट की शुरूआत हुई।

यह कहानी सिर्फ एक अफसर की नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम की वह बीमार रग है जो योग्यता के सामने पहचान को रखती है। हमारे समाज में आरक्षण भले अवसर देता हो, लेकिन व्यवस्था अक्सर उसे स्वीकार नहीं करती। वह दलित अफसर को काबिल अधिकारी की जगह आरक्षण वाला अफसर कहकर छोटा करती है। पूरन कुमार की मौत ने यह दिखा दिया कि जाति का भूत सिर्फ समाज में नहीं, बल्कि सत्ता के गलियारों में भी घूमता है।

पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अमनीत पी. कुमार ने दो अलग-अलग प्रतिवेदन दिए – एक में केवल डीजीपी और एसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, और दूसरे में सभी 15 अफसरों की गिरफ्तारी की। यह एक अधिकारी की नहीं, बल्कि एक संवेदनशील पत्नी और सहकर्मी की लड़ाई है जो व्यवस्था से इंसाफ मांग रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक सुसाइड नहीं, बल्कि एक सिस्टमेटिक मर्डर है।

एफआईआर दर्ज होने के बाद राज्य के एससी समुदाय से जुड़े कई आईएएस, आईपीएस और एचसीएस अफसर पूरन परिवार के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। यह अपने आप में ऐतिहासिक है, क्योंकि आमतौर पर नौकरशाही के भीतर एक मौन संस्कृति चलती है – जहां अधिकारी अपने साथी पर टिप्पणी करने से भी कतराते हैं। लेकिन इस बार सन्नाटा टूटा है। अफसर कह रहे हैं कि पूरन कुमार का मामला एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की हत्या है जो समानता और सम्मान की उम्मीद करती थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने परिवार से मुलाकात की और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है।

पर सवाल यह है कि क्या यह भरोसा न्याय में बदलेगा? क्या राज्य सरकार इतनी हिम्मत दिखा पाएगी कि डीजीपी जैसे शीर्ष अधिकारी को छुट्टी पर भेजे और एसपी को हटाए? या यह भी किसी और आंतरिक जांच की तरह फाइलों में गुम हो जाएगा?

हरियाणा की ब्यूरोक्रेसी में वर्षों से यह चर्चा होती रही है कि जातिगत गुटबाजी अफसरों की नियुक्तियों, ट्रांसफरों और प्रमोशनों को प्रभावित करती है। कौन किसका है – यह बात यहां पद से बड़ी हो जाती है। और जब इस गुटबाजी में जाति का तड़का लग जाता है, तो योग्यता, सत्यनिष्ठा और संवेदनशीलता सब हाशिये पर चली जाती हैं।पूरन कुमार की मौत इस झूठी प्रतिष्ठा वाली मशीनरी पर एक नैतिक प्रश्नचिह्न है। यह घटना सिर्फ एक आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सिस्टम की आत्मा की हत्या है – जो अपने अफसरों को मानसिक और जातिगत रूप से इतना तोड़ देती है कि वे जीवन से हार मान लेते हैं। इस घटना के बाद यह उम्मीद की जा सकती है कि अब नौकरशाही के भीतर जातिगत भेदभाव पर खुली चर्चा शुरू होगी। लेकिन डर यह भी है कि यह मामला किसी प्रशासनिक औपचारिकता में तब्दील कर दिया जाएगा – जैसे हर बार होता है। जांच कमेटी बनेगी, बयान होंगे, और अंत में रिपोर्ट यह कहेगी कि व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या थी।

पूरन कुमार का लिखा हर शब्द आज भी सवाल बनकर हवा में तैर रहा है –

जब न्याय देने वाले ही अन्याय करने लगें, तो शिकायत किससे करें?

एक संवेदनशील अफसर ने अपनी जान देकर यह दिखा दिया कि जाति का दर्द कुर्सी की ऊंचाई से नहीं मिटता। आज यह जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि समाज की भी है कि वह यह स्वीकार करे – जातिवाद अब सिर्फ राजनीति नहीं, प्रशासन की आत्मा में भी जहर की तरह घुल चुका है।

पूरन कुमार चले गए, पर उनके सुसाइड नोट ने यह साफ कर दिया है कि अब नौकरशाही की चुप्पी भी एक अपराध है। उनकी मौत व्यवस्था से यह मांग करती है कि वह सिर्फ दोषियों को नहीं, बल्कि अपनी सोच को भी कटघरे में खड़ा करे। क्योंकि जब तक सिस्टम खुद को नहीं बदलेगा, तब तक हर पूरन कुमार के भीतर कोई न कोई गोली तनी रहेगी।

एस.सी./एस.टी. कानून अंतर्गत दर्ज केस में जांच अधिकारी न्यूनतम डी.एस.पी. रैंक का,

चंडीगढ़

हरियाणा कैडर के इंस्पेक्टर-जनरल (आई.जी.) अर्थात पुलिस महानिरीक्षक रैंक में कार्यरत दिवंगत आई.पी.एस. अधिकारी वाई. पूरण कुमार द्वारा गत 7 अक्टूबर को की गई आत्महत्या के दो दिन बाद 9 अक्टूबर की रात चंडीगढ़ सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी (एफ.आई.आर.), जो उनकी धर्मपत्नी और हरियाणा कैडर की आई.ए.एस. अधिकारी अमनीत पी. कुमार द्वारा सौंपी गई लिखित शिकायत और मृतक पूरण कुमार द्वारा आत्महत्या के पूर्व लिखे गए तथाकथित फाइनल नोट के आधार पर दर्ज की गई। जिस पर अमनीत द्वारा हालांकि लिखित शिकायत देकर आपत्ति भी दर्ज कराई गई कि वह अधूरी एफ.आई.आर. है, चूँकि उसके कॉलम नंबर सात में तथाकथित आरोपियों के नाम नहीं डाले गए हैं, एवं इसके साथ साथ आरोपियों विरूद्ध अनूसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (एस.सी/एस.टी कानून) की धारा 3 (2) (वी) नहीं जोड़ी गई है।

बहरहाल, चंडीगढ़ पुलिस के डी.जी.पी. सागर प्रीत हुड्डा द्वारा 10 अक्टूबर को इसी मामले में एक 6 सदस्ययी एस.आई.टी. गठित कर दी गई है जिसके प्रमुख चंडीगढ़ पुलिस आई.जी. पुष्पेन्द्र कुमार और सदस्यों में चंडीगढ़ एस.एस.पी. कंवरदीप कौर, एस.पी. सिटी के.एम. प्रियंका, दो डी.एस.पी. स्तर के पुलिस अधिकारी नामतः चरणजीत सिंह और गुरजीत कौर और साथ साथ सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन के एस.एच.ओ. जयवीर सिंह राणा शामिल है।

इसी बीच एस.सी/एस.टी. कानून, 1989 में कानूनी कार्रवाई की मौजूदा प्रक्रिया पर जानकारी देते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार ने बताया कि उक्त 1989 एस.सी/एस.टी कानून की धारा 23 (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा मार्च, 1995 में आवश्यक नियम बनाये गए जो देश के हर राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश जैसे चंडीगढ़ पर लागू होते हैं। जिनमें समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा संशोधन भी किया जाता रहा है। उपरोक्त नियमावली के नियम संख्या 7 के अनुसार एस.सी./एस.टी. कानून के तहत दर्ज केसों में जांच अधिकारी (आई.ओ.) न्यूनतम डी.एस.पी. (पुलिस उपाधीक्षक) स्तर का अधिकारी ही हो सकता है। इसी कारण 10 अक्टूबर को चंडीगढ़ डी.जी.पी. द्वारा गठित एस.आई.पी. में चरणजीत सिंह, डी.एस.पी..ट्रैफिक चंडीगढ़ को सदस्य के साथ साथ जांच अधिकारी (आई.ओ.) भी दशार्या गया है। बहरहाल, उपरोक्त 1995 नियमो में ऐसा भी स्पष्ट उल्लेख है कि इन मामलों में जांच अधिकारी की नियुक्ति राज्य सरकार/डी.जी.पी./पुलिस अधीक्षक द्वारा उसके पूर्व अनुभव, ऐसे मामलों की पेचीदगियों को समझने और मामले की जांच सही दिशा में कम से कम समय में जांच करने की योग्यता और न्याय की भावना को रखकर की जायेगी।

हेमंत ने बताया कि साढ़े नौ वर्ष पूर्व अप्रैल, 2016 में उपरोक्त एस.सी/एस.टी. नियमो में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संशोधन किया गया, जिसमें नियम 7 भी शामिल है जिसके अनुसार ऐसे मामलों में जांच अधिकारी प्राथमिकता के तौर पर मामले में अन्वेषण /जांच पूरी कर उसकी रिपोर्ट सम्बंधित एस.पी. को सौंपेगा, जो उसे तत्काल आगे राज्य के डीजीपी (या पुलिस कमिश्नर) को भेजेगा।

वहीं सम्बंधित पुलिस स्टेशन (थाने) के इंचार्ज द्वारा 60 दिनों के भीतर ऐसे मामलो की चार्ज-शीट (आरोप पत्र) राज्य सरकार द्वारा पदांकित की गयी विशेष कोर्ट में फाइल करने का उल्लेख है। अगर इस अवधि में किसी भी कारण से विलम्ब हुआ तो, तो जांच अधिकारी को लिखित तौर पर उसे भी स्पष्ट करना होगा।

बहरहाल, हेमंत ने यह भी बताया की अगस्त, 2018 में भारत की संसद द्वारा अनूसूचित जाति और अनूसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन कानून, 2018 पारित किया गया जो 20 अगस्त, 2018 से पूरे देश में लागू किया गया।

यह संशोधन कानून सुप्रीम कोर्ट के 20 मार्च 2018 के सुभाष काशीनाथ महाजन बनाम महाराष्ट्र सरकार नामक निर्णय को पलटने के लिए बनाया गया। संशोधन कानून द्वारा 1989 कानून में नई धारा 18(क) जोड़ी गयी। जिसमे यह साफ तौर पर वर्णित है कि इस अधिनियम के अंतर्गत किसी अभियुक्त के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने से पहले पुलिस अधिकारी द्वारा किसी प्रकार की प्रारम्भिक जांच करने की आवश्यकता नहीं होगी।

इसके अतिरिक्त इस कानून के अंतर्गत दर्ज केस के जांच अधिकारी (आई.ओ.) को अगर किसी अभियुक्त की गिरफ्तारी करने अनिवार्य प्रतीत होता है, तो इस सम्बन्ध में उसे किसी उच्च या अन्य अधिकारी से पूर्व स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। यह भी प्रावधान किया गया है

, किसी न्यायालय के निर्णय, आदेश या निर्देश होने के बावजूद एस.सी./एस.टी. कानून के अधीन किसी भी केस में सी.आर.पी.सी. (दंड प्रक्रिया संहिता) की धारा 438 (अग्रिम जमानत सम्बन्धी), जो हालांकि 1 जुलाई 2024 से सी.आर.पी.सी. के स्थान पर देशभर में लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.), 2023 की धारा 482 है। लागू नहीं होगी। जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति जिस पर इस कानून के अंतर्गत मामला दर्ज हो गया है या हो सकता है, उसे कोर्ट द्वारा एंटीसीपेटरी बेल नहीं मिल पाएगी। हेमंत ने कहा एस.सी./एस.टी. संसोधन कानून को फरवरी, 2020 में सुप्रीम कोर्ट के 3 जज बेंच द्वारा पृथ्वी राज चौहान बनाम भारत सरकार नामक फैसले में सही ठहराया गया है। हेमंत ने एक और रोचक परन्तु महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि पिछले माह 1 सितम्बर 2025 को ही सुप्रीम कोर्ट के एक तीन जज बेंच जिसमें भारत के मुख्य न्यायधीश बी.आर. गवई भी शामिल थे, ने किरण बनाम राजकुमार जीवराज जैन केस में एस.सी./एस.टी. कानून की धारा 18 के तहत इस कानून में अंतर्गत आरोपियों को अग्रिम जमानत न दिए जाने के प्रावधान को सही ठहराया और बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा इसी कानून के अंतर्गत दर्ज एक केस में आरोपी को दी गई अग्रिम जमानत के फैसले को खारिज कर दिया था।

गाजा युद्धविराम की तरह, रूस-यूक्रेन युद्ध भी रोक सकते हैं... जेलेंस्की ने ट्रंप से की अपील

एजेंसी

यूक्रेन। यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से युद्ध छिड़ा हुआ है. इसी बीच जब अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा युद्ध की समाप्ति में अहम रोल निभाया है. वहीं, अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की. उन्हें इस युद्धविराम के लिए बधाई दी. साथ ही जेलेंस्की ने कहा, अगर एक क्षेत्र में युद्ध रोका जा सकता है, तो दूसरे क्षेत्रों में भी युद्ध रोका जा सकता है – जिसमें रूस-यूक्रेन का युद्ध भी शामिल है.

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपने अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की और गाजा में चल रहे इजराइल-हमास युद्ध को समाप्त करने के लिए की गई शांति डील पर उन्हें बधाई दी. जेलेंस्की ने इस बातचीत को पॉजिटिव और प्रोडक्टिव बताया और ट्रंप से यूक्रेन युद्ध में भी शांति स्थापित करने की अपील की.

"रूस-यूक्रेन युद्ध भी रोक सकते हैं"

उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (X) पर लिखा, मेरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एक बहुत ही पॉजिटिव और प्रोडक्टिव बातचीत हुई. मैंने @POTUS को मिडिल ईस्ट में उनकी सफलता और शांति समझौते के लिए बधाई दी. जो एक शानदार उपलब्धि है. अगर एक क्षेत्र में युद्ध रोका जा सकता है, तो दूसरे क्षेत्रों में भी युद्ध रोका जा सकता है – जिसमें रूस-यूक्रेन का युद्ध भी शामिल है.

जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रंप से बातचीत के दौरान रूस के यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर किए जा रहे हमलों का भी जिक्र किया. उन्होंने आगे बताया, हमने एयर डिफेंस को मजबूत करने के अवसरों पर

बात की, साथ ही ठोस समझौतों पर भी चर्चा की जो इसे सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए जा रहे हैं.

जेलेंस्की ने एक बार फिर कहा कि रूस को वार्ता की मेज पर आने की इच्छा दिखानी चाहिए और फरवरी 2022 से जारी युद्ध को समाप्त करना चाहिए.

इजराइल-हमास युद्धविराम के बाद उम्मीद

जेलेंस्की का यह बयान उस समय आया है जब इजराइल और हमास ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते के पहले चरण में सीजफायर और इजराइली बंधकों के बदले फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल है.

गाजा में दो साल से जारी युद्ध में अब तक 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं. इस समझौते को अब तक युद्ध समाप्ति की दिशा में सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है.

> यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप को गाजा युद्धविराम में उनकी मध्यस्थता के लिए बधाई दी. उन्होंने कहा कि अगर एक क्षेत्र में शांति संभव है, तो रूस-यूक्रेन युद्ध में भी इसे हासिल किया जा सकता है. जेलेंस्की ने ट्रंप से यूक्रेन के लिए शांति स्थापित करने की अपील की.

ट्रंप ने डैन स्कैविनो को बनाया व्हाइट हाउस कार्मिक कार्यालय का प्रमुख, सर्जियो गोर की लेंगे जगह

एजेंसी

अमेरिका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्काविनो को व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस का प्रमुख नियुक्त किया है। इस घोषणा की जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करके दी। ट्रंप प्रशासन में यह कदम प्रशासनिक टीम की मजबूती और योग्य लोगों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

सर्जियो गोर की जगह लेंगे स्काविनो

डैन स्काविनो, जिन्होंने पहले से ही ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ

के रूप में कार्य किया है, अब सर्जियो गोर की जगह लेंगे। सर्जियो गोर को हाल ही में अमेरिका की सीनेट की तरफ से अमेरिका के अगले भारत राजदूत के रूप में नियुक्ति की गई थी और वे फिलहाल में छह दिन के भारत दौरे पर आए हैं।

ट्रंप ने स्काविनो को बताया महान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा, मैं यह बताते हुए खुश हूं कि महान डैन स्काविनो, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ बने रहने के साथ-साथ, व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस का नेतृत्व करेंगे। सर्जियो गोर ने इस पद पर शानदार काम किया और अब वे भारत के राजदूत बन रहे हैं। डैन को बधाई, आप शानदार काम करेंगे!

व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस की क्या होती है जिम्मेदारी?

यह ऑफिस सरकार में लगभग सभी पदों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया की देखरेख करता है। कार्यालय राष्ट्रपति के लिए विभागों और एजेंसियों में योग्य उम्मीदवारों की भर्ती करता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा पद माना जाता है क्योंकि इसके जरिए राष्ट्रपति प्रशासन में नियुक्तियों का निर्णय लिया जाता है।

अमेरिका छोड़कर अब इस देश में रहेंगे नोबेल विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी, जानें क्या है वजह

एजेंसी

अमेरिका। अमेरिका में रिसर्च फंडिंग और विश्वविद्यालयों की आजादी पर हो रहे हमलों के बीच दो मशहूर अर्थशास्त्री, अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो, ने अमेरिका छोड़ने का फैसला किया है। दोनों अब स्विट्जरलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में काम करेंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी वैज्ञानिकों के दूसरे देशों में जाने को लेकर %ब्रेन ड्रेन% की आशंका जताई जा रही है।

जुलाई से नई भूमिका शुरू होगी

अब तक दोनों अर्थशास्त्री मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में पढ़ा रहे थे। विश्वविद्यालय ने बताया कि जुलाई 2026 से अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो उसकी अर्थशास्त्र संकाय में शामिल होंगे। दोनों को लेमन फाउंडेशन द्वारा फंड की गई %एंडाउड प्रोफेसरशिप दी जाएगी।

नया 'लेमन सेंटर' भी बनेगा

अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो यूजेडएच में एक नया शोध केंद्र बनाएंगे, जिसका नाम लेमन विकास, शिक्षा और सार्वजनिक नीति केंद्र होगा। इसका मकसद विकास, शिक्षा और नीतियों से जुड़ा ऐसा शोध करना होगा, जिसका सीधा असर दुनिया भर की सरकारी नीतियों पर पड़े। यह केंद्र शोधकर्ताओं और शिक्षा नीति बनाने वाले संस्थानों को आपस में जोड़ने का भी काम करेगा।

अमेरिका से क्यों जा रहे हैं दोनों अर्थशास्त्री?

विश्वविद्यालय के बयान में उनके जाने की वजह साफ नहीं बताई गई। लेकिन हाल में अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा रिसर्च फंडिंग में कटौती और विश्वविद्यालयों की अकादमिक स्वतंत्रता पर हमले के चलते कई वैज्ञानिक और प्रोफेसर नाराज हैं। कई देशों ने इस माहौल का फायदा उठाकर अमेरिकी वैज्ञानिकों को अपने यहां आकर्षित करने की कोशिश शुरू कर दी है। खुद एस्थर डुफ्लो ने मार्च में फ्रांसीसी अखबार 'ले मोंडे' में एक संपादकीय पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें अमेरिकी विज्ञान पर हो रहे बेहद खतरनाक हमलों' की आलोचना की गई थी।

'काम को और आगे बढ़ाने का मौका'

डुफ्लो ने कहा, 'लेमन सेंटर की मदद से हम अपने उस काम को और मजबूत बना पाएंगे जो अकादमिक रिसर्च, छात्रों का मार्गदर्शन और असली नीतिगत बदलावों के बीच पुल बनाता है।

अफगानिस्तान के मंत्री मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को क्या रोका? तालिबान ने बताई वजह

एजेंसी

अफगानिस्तान। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी का भारत दौरा महिलाओं को लेकर विवादों में घिर गया है. विपक्ष नेताओं और पत्रकारों ने दिल्ली में अफगान विदेश मंत्री के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल न किए जाने के पर सरकार की आलोचना की है.

भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि ये प्रेस कॉफ्रेन्स अफगान दूतावास में हुई थी और वहां तालिबान शासन के कानून लागू होते हैं और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं थी. अब इसपर तालिबान का पक्ष भी सामने आया है और उसने अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस में बदलाव करने की बात कही है.

महिला पत्रकारों के साथ कॉर्डिनेशन की रही कमी- तालिबान

BBC ने सूत्रों के हवाले से बताया कि तालिबान अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्होंने महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं बुलाया था. इसके पीछे की वजह बताते हुए BBC से उन्होंने कहा, ÷ठीक से कॉर्डिनेशन न होने की वजह से महिला पत्रकारों को इसमें शामिल नहीं किया गया और अगर अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस दिल्ली में आयोजित होगी तो महिला पत्रकारों को उसमें आमंत्रित किया जाएगा.÷

राहुल गांधी ने साधा सरकार पर निशाना

विपक्षी नेता राहुल गांधी ने कहा कि इस कार्यक्रम को आयोजित करने की अनुमति देकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ÷भारत की हर एक महिला से कह रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े होने के लिए बहुत कमजोर हैं.÷ इसके अलावा द एडिटर गिल्ड संगठन ने भारत सरकार से अपील की है कि वह ऐसे इवेंट में जेंडर समानता का ध्यान रखें.

कुछ यूजर्स ने पुरुष पत्रकारों पर भी उठाए सवाल

इसके अलावा कूछ सोशल मीडिया यूजर उन पुरुष पत्रकारों से भी गुस्से का इजहार किया हैं, जो प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए. यूजर्स का कहना है कि दूतावास में अगर तालिबान शासन के नियम चलते हैं, तो पुरुष पत्रकार को इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का बॉयकॉट करने किसने माना किया था, वह ऐसा कर इस महिला विरोधी कदम का विरोध तो जता ही सकते थे.

अर्जेंटीना के सिंगर की मेक्सिको में दर्दनाक मौत, एक्ट्रेस गर्लफ्रेंड का सोशल मीडिया पर छलका दर्द

एजेंसी

मेक्सिको। अर्जेंटीना के जाने-माने गायक फेडे डोरकाज को मेक्सिको में गोली मार दी गई। गोली सीधा मेक्सिको के गले में जाकर लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फेडे की मौत की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस ने इसके पीछे लूटपाट की आशंका जताई है।

फेडे मेक्सिको के मशहूर डांस कॉम्पीटीशन "Las Estrellas Bailan En Hoy" में हिस्सा लेने पहुंचे थे। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, फेडे डांस का रिहर्सल करने के बाद ड्राइव करते हुए घर जा रहे थे, मगर रास्ते में ही उनकी हत्या कर दी गई।

छ्ष्टञ्जङ्क खंगाल रही पुलिस

यह घटना मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी की है। फेडे की हत्या का कारण जानने के लिए पुलिस पूरे शहर का सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस दौरान पुलिस के हाथ एक फुटेज लगी है, जिसमें बाइक सवार 4 लोगों पर पुलिस को शक है। चारों संदिग्ध आरोपी मोटरसाइल से भागते नजर आ रहे हैं।

गर्लफ्रेंड ने शेयर की इमोशनल पोस्ट

बता दें कि फेडे मेक्सिकन एक्ट्रेस मारियाना अविला को डेट कर रहे थे। मेक्सिको के डांस कॉम्पटीशन में फेडे और मारियाना की शानदार

परफॉर्मेंस होने वाली थी, मगर इससे पहले ही फेडे की हत्या हो गई। फेडे की मौत के बाद मारियाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ÷इस पूरी दुनिया में तुम हमेशा मेरे सबसे पसंदीदा व्यक्ति रहोगे। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी।

इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट, अपने ही सीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की थी तैयारी

अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आदेश पर सोहेल अफरीदी का नया सीएम बनाया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने पीटीआई में जारी अंतर्कलह को उजागर कर दिया है।

एजेंसी

इस्लामाबाद । लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई में फूट पड़ गई है। एक समय इमरान खान के करीबी अली अमीन गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में पीटीआई की सरकार है और अली अमीन गंडापुर इसके सीएम थे।

अली अमीन गंडापुर और पीटीआई नेतृत्व में बढ़ गए थे मतभेद

हालांकि बीते काफी समय से पीटीआई नेतृत्व और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद बढ़ गए थे। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों की घटनाएं भी काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में अली अमीन गंडापुर से इस्तीफा देने की मांग की जा रही थी। पार्टी ने अपने ही सीएम अली अमीन गंडापुर को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन उससे पहले ही शनिवार को गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पीटीआई ने भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के विचार को छोड़ दिया।

गंडापुर और इमरान खान की बहन में हैं मतभेद

पीटीआई ने अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आदेश पर सोहेल अफरीदी का नया सीएम बनाया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने पीटीआई में जारी अंतर्कलह को उजागर कर दिया है। दरअसल इमरान खान की बहन अलीमा खान और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद हैं और अलीमा ने अली अमीन गंडापुर पर आर्मी के साथ मिलकर पीटीआई पार्टी को कब्जाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। वहीं गंडापुर ने अमीना पर पार्टी को तोड़ने का आरोप लगाया था।

अब पीटीआई ने खैबर पख्तूनख्वा में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए अली अमीन गंडापुर को सीएम पद से हटाने का फैसला किया। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा में पीटीआई की एक नेता का भी अपहरण कर लिया गया था। उसके बाद भी पीटीआई समर्थकों ने अली अमीन गंडापुर की आलोचना की थी।

गाजा युद्धविराम का असर, हमास करेगा सोमवार को 48 बंदियों की रिहाई, इजराइल भी करेगा 2 हजार को आजाद

एजेंसी

हमास। हमास और इजराइल के बीच लंबे समय से छिड़े संघर्ष के बाद कैदियों की रिहाई पर सहमति हो गई है. इसी के तहत हमास ने पुष्टि की है कि अमेरिकी मध्यस्थता में हुए युद्धविराम

> इजराइल और हमास के बीच कैदियों की रिहाई पर सहमति हो गई है. इसी के तहत सोमवार को हमास 48 कैदियों को रिहा करेगा. इसी के बाद फिर इजराइल लगभग 2 हजार फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा. वहीं, दूसरी तरफ मिस्र में सोमवार को गाजा शांति समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह में हमास ने शामिल होने से इनकार कर दिया है.

समझौते के तहत गाजा में बंधक बनाए गए 48 लोगों की रिहाई सोमवार सुबह से शुरू होगी. माना जा रहा है कि 48 में से 20 बंधक जिंदा हैं और 28 की मौत हो चुकी है.

सीनियर हमास अधिकारी उसामा हमदान ने समाचार एजेंसी एएफपी से कहा, हस्ताक्षरित समझौते के अनुसार, कैदी अदला-बदली की प्रक्रिया सोमवार सुबह शुरू होगी और इस मामले में कोई नया बदलाव नहीं

है.

इजराइल करेगा 2 हजार बंदियों को रिहा

चरणबद्ध समझौते के तहत हमास पहले बंधकों को रिहा करेगा, जिसके बाद इजराइल लगभग 2 हजार फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा. हमास ने संकेत दिया है कि उसे 72 घंटे की समयसीमा में मृत बंधकों के शवों को ढूंढने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और इजराइल इस स्थिति को जानता है.

समझौते का पहला चरण शुक्रवार को स्थानीय समय दोपहर 12 बजे से लागू हुआ. इजराइल की ओर से युद्धविराम और आंशिक सैनिक वापसी के बाद विस्थापित परिवारों को अपने तबाह घरों में लौटने की अनुमति मिली.

कुछ लोगों की रिहाई पर बातचीत जारी

हमदान ने कहा कि किन फिलिस्तीनी कैदियों को इजराइल की ओर से रिहा किया जाएगा, इस पर बातचीत अभी जारी है क्योंकि इजराइल कुछ लोगों को रिहा करने के लिए तैयार नहीं है. हालांकि, अंतिम सूची रविवार सुबह तक तैयार हो जानी चाहिए.

एएफपी के अनुसार हमदान ने बताया, हमास के कैदी कार्यालय ने कहा है कि अब तक यह प्रक्रिया पूरी तरह अंतिम रूप नहीं ले पाई है. इजराइल कुछ नामों को रिहा करने से अब भी इनकार कर रहा है. हालांकि, वार्ता प्रतिनिधिमंडल उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है.

मिस्र में वार्ता में हमास नहीं होगा शामिल

गाजा युद्धविराम को अंतिम रूप देने के लिए मिस्र में सोमवार को अहम वार्ता होने वाली है. इस वार्ता में शामिल होने से हमास ने इनकार कर दिया है. हमास ने कहा है कि उसे ट्रंप की योजना के कुछ हिस्सों से असहमति है. हमास नेताओं ने अपने सदस्यों को गाजा छोड़ने के प्रस्ताव को भी बेतुका करार दिया था.

यह घोषणा सोमवार को शरम अल-शेख में होने वाले गाजा शांति शिखर सम्मेलन से ठीक पहले की गई है, जिसकी सह-अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी करेंगे. इस सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे.

शिखर सम्मेलन का मकसद गाजा में युद्ध को समाप्त करने और क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अंतिम समझौते को फाइनल करना है.

आधी रात को पाक आर्मी के 7 ठिकाने ध्वस्त, तालिबान ने कैसे पूरा किया ऑपरेशन?

अफगानिस्तान ने काबुल में हुए हवाई हमलों के जवाब में डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी चौकियों पर भीषण जवाबी कार्रवाई की. इस हमले में 15 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और अफगान सेना ने 3 चौकियों पर कब्जा कर लिया. दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है.

एजेंसी

पेशावर। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर शनिवार रात को हमला कर दिया. अफगान सेना ने 3 घंटे के ऑपरेशन में हेलमंड के बहरामचा के शकीज, बीबी जानी और सालेहानू इलाकों में कार्रवाई की. अफगानिस्तान ने शनिवार देर रात डूरंड लाइन के पास कई पाकिस्तानी बॉर्डर पोस्ट पर गोलाबारी की. डूरंड लाइन पर हुई झड़पों के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं.

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव अब जंग में बदल गया है. काबुल में एयरस्ट्राइक के कुछ समय बाद ही अफगानिस्तान ने बदला ले लिया. अफगान सेना ने पाकिस्तान की सैन्य चौकियों पर एक के बाद एक कई विध्वंसक हमले किए. ये गोलाबारी काबुल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले के जवाब में की गई.

अफगानिस्तान का भीषण प्रहार

पाकिस्तान बॉर्डर के पास पूरी रात रॉकेट, मोर्टार और हैवी मशीनगनों की आवाजें गूंजती रहीं. हेलमंड, पक्तिया, खोश्त और नंगरहार इलाकों में पाकिस्तान और अफगान सेना के बीच भीषण बमबारी हुई.

रात भर दोनों सेनाओं ने भीषण बमबारी की. हेलमंड प्रांत सरकार के प्रवक्ता मौलवी मोहम्मद कासिम रियाज ने बताया कि शनिवार रात ड्यूरंड रेखा के पास बहरामपुर जिले में अफगान बलों की जवाबी कार्रवाई के दौरान 15 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए. रियाज ने कहा कि अफगान बलों ने इस ऑपरेशन में तीन पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर भी कब्जा किया. उन्होंने आगे बताया कि अफगान सेनाओं ने युद्ध के सामान के रूप में कई हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किए.

7 ठिकानों पर मची तबाही

पाकिस्तानी फ्रंटियर कॉपर्स की पोस्ट पर भीषण तबाही हुई. कुनार और हेलमंद में भी पाक की कई चौकियां तबाह हुई. कुर्रम, नंगरहार, कुनार समेत 7 चौकियों पर तबाही मचाई. एक सुरक्षा सूत्र ने बीबीसी उर्दू को बताया कि पाकिस्तान-अफगान सीमा पर अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, दिर, चितराल और बर्माचा समेत कई इलाकों में फायरिंग हुई.

पाकिस्तान ने पहले किया था हमला

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर गुरुवार को हमला किया था. पाक ने काबुल पर मिसाइल

बरसाई थी. अफगानिस्तान ने दावा किया था कि इस अटैक में कोई नुकसान नहीं हुआ. लेकिन, इसी के बाद अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को वॉर्निंग दे दी थी कि उसको इसका अंजाम भुगतना होगा.

अफगान रक्षा मंत्रालय का कहना है कि पाकिस्तान में लक्ष्यों पर हमला करने के बाद अब सैन्य अभियान समाप्त हो गया है. तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पाकिस्तान की कई सैन्य चौकियों को निशाना बनाया है. तालिबान लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना की 3 सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया. वहीं, डूरंड लाइन के पार कुनार और हेलमंद प्रांतों में भी पाकिस्तानी चौकियां तबाह कर दी गई.

पाकिस्तानी सेना की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ढ्डस्क्क) ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है.

रात 10 बजे से शुरू हुई फायरिंग

कुर्रम जिले के जीरो प्वाइंट के पास तैनात एक पुलिस अधिकारी ने बीबीसी को बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे अफगानिस्तान की ओर से भारी हथियारों से फायरिंग शुरू हुई. उन्होंने कहा कि उन्हें सीमा के कई हिस्सों से भीषण गोलीबारी की रिपोर्ट मिली है.

अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा- हमारा ऑपरेशन आधी रात को खत्म हो गया. अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान सीमा का उल्लंघन किया, तो हमारी सेना देश की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है. इसके अलावा सूत्रों के अनुसार, कंधार प्रांत के मैवंद जिले में 7 पाकिस्तानी सैनिकों ने सरेंडर भी कर दिया.

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि अफगानिस्तान ने चार अलग-अलग जगहों पर हमले किए. पाकिस्तानी सेना ने भी जवाब में भारी गोलीबारी की.

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के नारी जिले के डोकलाम क्षेत्र में चश्मदीदों ने बीबीसी को बताया कि तालिबानबलों ने शाम के समय हल्के और भारी हथियारों से पाकिस्तानी इलाकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच भीषण लड़ाई छिड़ गई.

अनिल अंबानी पर संकट! अब CBI ने किया एक और खुलासा, समझें पूरा मामला

एजेंसी

अनिल अंबानी की मुसीबतें खत्म ही नहीं हो रही है। अब खबर है कि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अनिल अंबानी के रिलायंस एडीए ग्रुप और यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर के खिलाफ दायर चार्जशीट में दावा किया है कि दोनों पक्षों ने अपने व्यावसायिक हितों को साधने और वित्तीय संकट को छिपाने के लिए एक सोची-समझी आपसी लाभ आधारित सौदेबाजी की थी। एजेंसी के अनुसार, इस व्यवस्था के तहत सार्वजनिक फंड का दुरुपयोग करते हुए फंड्स को बार-बार जारी, पुनर्निवेशित और चुकाया गया, जिससे दोनों की कंपनियों को आर्थिक सहारा मिलता रहा।

चार्जशीट में क्या कहा गया

चार्जशीट में कहा गया है कि एडीए ग्रुप की कंपनियों, यस बैंक और रिलायंस निप्पॉन एसेट मैनेजमेंटके बीच यह लेनदेन की श्रृंखला ऐसे ढंग से रची गई थी जिससे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के म्यूचुअल फंड नियमों को दरकिनार किया जा सके। सेबी के नियमों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड अपने समूह या संबद्ध कंपनियों में निजी प्लेसमेंट के जरिए निवेश नहीं कर सकते, लेकिन आरोप है कि इस नियम को चकमा देने के लिए पूरे नेटवर्क को एक वैध निवेश की तरह पेश किया गया।

CBI का कहना है कि अनिल अंबानी और राणा कपूर ने आपसी वित्तीय सहयोग की प्रणाली तैयार की, जिसमें एडीए ग्रुप की कंपनियों को यस बैंक से भारी भरकम फंडिंग मिली, जबकि यस बैंक को रिलायंस निप्पॉन म्यूचुअल फंड से अपने पूंजी साधनों में बड़े निवेश प्राप्त हुए। इससे एक धन का चक्रीय प्रवाह बना - जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे को पूंजी समर्थन देते हुए अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने का प्रयास कर रहे थे।

जय अनमोल अंबानी की भूमिका पर नजर

जांच एजेंसी ने दावा किया है कि अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी ने में निवेश निर्णयों पर सीधा प्रभाव डाला, जबकि उस समय कंपनी शेयर बाजार में लिस्टिंग की तैयारी कर रही थी। सीबीआई के अनुसार, के पास आम निवेशकों के पैसे से जुटाए गए हजारों करोड़ रुपये के फंड थे, जिन्हें लंबे समय के डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाना था।

15 अक्टूबर से खुल रहा एक और IPO, प्राइस बैंड हुआ तय, चेक करें GMP समेत अन्य डिटेल

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आप आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए एक और खास मौका आ रहा है। अगले सप्ताह से क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। कंपनी ने बयान के मुताबिक, यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 17 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा इसने अपने आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,014 से 1,065 रुपये प्रति शेयर फिक्स कर दिया है। इससे 451 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। एंकर बुक 14 अक्टूबर को खुलेगी और शेयर 24 अक्टूबर को लिस्ट करने का प्रपोजल हैं। बता दें कि कंपनी के शेयर अभी ग्रे मार्केट में ट्रेड नहीं कर रहे हैं।

क्या है डिटेल

इस आईपीओ में 250 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है और 201 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल है। फ्रेश इश्यू से 130.3 करोड़ रुपये अपनी सब्सिडियरी मिडवेस्ट नियोस्टोन के क्वार्ट्ज फैसिलिटी के फेज टू एक्सपैंशन में लगेंगे। 25.7 करोड़ इलेक्ट्रिक डंप ट्रक्स खरीदने में और 3.2 करोड़ चुनिंदा माइंस में सोलर एनर्जी इंटीग्रेशन के लिए इस्तेमाल होंगे। इसके अलावा 56.2 करोड़ कर्ज चुकाने में जाएंगे, बाकी जनरल कॉर्पोरेट कामों के लिए है। जून 2025 तक कंसोलिडेटेड बकाया कर्ज 270.1 करोड़ था।

कंपनी का कारोबार

कंपनी भारत की सबसे बड़ी ब्लैक गैलेक्सी और एब्सोल्यूट ब्लैक ग्रेनाइट प्रोड्यूसर है। करीब 40 साल से नेचुरल स्टोन के बिजनेस में लगी इस कंपनी ने ग्रेनाइट से आगे बढ़कर क्वार्ट्ज प्रोसेसिंग में कदम रखा है। इसका फेज वन प्लांट इंजीनियर्ड स्टोन और सोलर ग्लास के सेगमेंट को सप्लाई करता है।

ट्रंप के 100 टैरिफ ऐलान पर चीन का पलटवार, कहा- हर स्थिति के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन पर 100 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर अब चीन ने भी पलटवार किया है.जवाब में चीन ने सख्त चेतावनी दी है कि वह शांति और बातचीत को तवज्जो देता है, लेकिन अगर उकसाया गया तो वह पीछे नहीं हटेगा और जवाबी कार्रवाई करेगा. चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने ऑनलाइन बयान में कहा कि हमारा रुख साफ है. हम टैरिफ युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं. बयान में यह भी कहा गया कि अगर अमेरिका अपनी जिद पर अड़ा रहा, तो चीन अपने हितों की रक्षा के लिए मजबूत कदम उठाएगा. मंत्रालय ने बातचीत की जरूरत पर जोर

दिया, लेकिन यह भी साफ किया कि अगर तनाव बढ़ा तो वह अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए ÷कड़ा जवाब देगा.यह बयान ट्रंप की धमकी के दो दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने 1 नवंबर तक चीन से आयात पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही थी. यह धमकी चीन के नए नियमों के जवाब में थी, जिसमें दुर्लभ मृदा के निर्यात पर पाबंदी लगाई गई है. ये खनिज कई उपभोक्ता और सैन्य उत्पादों के लिए जरूरी हैं.

रेयर अर्थ पर विवाद

चीन इन रणनीतिक खनिजों की वैश्विक आपूर्ति में बड़ा खिलाड़ी है. वह 70त्र खनन और 90त्र प्रसंस्करण नियंत्रित करता है. नए नियमों के तहत, विदेशी कंपनियों को चीनी दुर्लभ मृदा वाले सामान भेजने के लिए विशेष लाइसेंस लेना होगा. ट्रंप प्रशासन इसे आर्थिक हथियार मानता है. ट्रंप ने चीन पर दुनिया को बंधक बनाने का आरोप लगाया और कहा कि यह न सिर्फ अमेरिकी कंपनियों, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा है. इस तनाव से ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग की संभावित मुलाकात पटरी से उतर सकती है, और पहले से रुका हुआ टैरिफ युद्ध फिर शुरू हो सकता है.

चीन ने अमेरिका पर लगाया पोर्ट शुल्क

चीन ने भी पलटवार करते हुए कहा कि वह अगले हफ्ते से अमेरिकी जहाजों पर बंदरगाह शुल्क (port fees) लगाएगा. मंत्रालय ने कहा कि निर्यात लाइसेंस सिर्फ वैध नागरिक उपयोग के लिए दिए जाएंगे, लेकिन इन खनिजों का सैन्य उपयोग भी होता है. चीन ने यह भी कहा कि अमेरिका ने हाल ही में कई नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें चीनी कंपनियों पर निर्यात नियंत्रण बढ़ाना शामिल है.चीन ने यह भी बताया कि अमेरिका चीनी जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगा रहा है, जो मंगलवार से लागू होंगे.

कैसे किया जनता के पैसों का हेरफेर! सामने आई अनिल अंबानी और राणा कपूर की जुगलबंदी

एजेंसी

नई दिल्ली।दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अनिल अंबानी के रिलायंस एडीए ग्रुप और यस बैंक के को-फाउंडर राणा कपूर के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एक चार्जशीट दाखिल की है। इसमें एकदूसरे को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई एक सुनियोजित व्यवस्था का खुलासा हुआ है। सीबीआई का कहना है कि यह व्यवस्था उनके कारोबारी हितों को साधने और जनता के पैसे के दुरुपयोग से वित्तीय संकट को छिपाने के लिए बनाई गई थी।

सीबीआई का कहना है कि एडीए ग्रुप की कंपनियों, यस बैंक और रिलायंस निप्पॉन एसेट मैनेजमेंट के बीच पैसों का लेन-देन बार-बार हुआ। उस समय रिलायंस कैपिटल और जापान की निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस की संयुक्त कंपनी थी। सीबीआई ने बताया कि इन ट्रांजैक्शंस को इस तरह से बनाया गया था कि वे सेबी के म्यूचुअल फंड नियमों को दरकिनार कर सकें। सेबी के नियम निजी प्लेसमेंट के जरिए ग्रुप या सहयोगी कंपनियों में निवेश नहीं किया जा सकता है।

जय अनमोल की भूमिका पर नजर

चार्जशीट में विशेष अदालत को बताया गया है कि अंबानी और कपूर ने मिलकर एक-दूसरे को वित्तीय मदद देने का सिस्टम तैयार किया था। एक तरफ एडीए ग्रुप की कंपनियों को यस बैंक से बड़े पैमाने पर फंड मिला, वहीं दूसरी तरफ यस बैंक को रिलायंस निप्पॉन.

खत्म हो जाएगा पंप एंड डंप का खेल, सेबी जल्द लॉन्च करेगा एडवांस एनालिटिक्स टूल

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बीते दिनों जेन स्ट्रीट जैसी विदेशी कंपनियों की ओर से की गई धोखाधड़ी खूब चर्चा में रही थी. कैसे कंपनियों ने कॉल-पुट के जरिए निवेशकों को तगड़ा चूना लगाया था. उसके बारे में सोशल मीडिया पर भी बहुत हल्ला हुआ था. इसी तरह निवेशक पंप एंड डंप के जरिए भी बाजार को प्रभावित करते हैं. सेबी इन पंप एंड डंप के जरिए झोल करने वाली कंपनियों और लोगों पर और सख्ती से नकेल कसने की तैयारी में है. मार्केट रेगुलेटर एडवांस एनालिटिक्स टूल पर काम कर रहा है, जिससे फ्रॉड को और तेजी से पकड़ा जा सकेगा.

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने हाल ही में बीएसई ब्रोकर्स फोरम (BBF) के एक इवेंट में बताया कि अब वो मार्केट की निगरानी को और स्मार्ट बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं. पहले जहां रिएक्टिव सुपरविजन होता था, अब वो प्रेडिक्टिव ओवरसाइट की ओर बढ़ रहे हैं. इसके लिए सेबी ने अपने डेटा वेयरहाउस सिस्टम को अपडेट किया है. इससे पंप-एंड-डंप जैसे फ्रॉड को पकड़ना आसान होगा. नए रूल-बेस्ड अलर्ट्स की मदद से बड़े सौदों में होने वाली गड़बड़ियों का भी पता लगाया जा सकेगा.

पंप-एंड-डंप स्कीम्स को पकड़ने की तकनीक

तुहिन कांता पांडे ने कहा कि पंप-एंड-डंप स्कीम्स एक खास पैटर्न फॉलो करती हैं, जिन्हें डेटा एनालिसिस से पकड़ा जा सकता है. सेबी के कई ऑर्डर्स में ये पैटर्न दिखे हैं.

नई तकनीक से अब ऐसे मामलों को पहले से पकड़ना आसान होगा, जिससे सेबी तेजी से एक्शन ले सकेगा. सेबी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (DPs) के लिए भी एक सेफ्टी नेट सिस्टम लाने की योजना बना रहा है.

भारत विश्व GDP वृद्धि में 20त्र का देगा योगदान, पूर्व RBI गवर्नर ने जताया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली। ।पूर्व आरबीआई गवर्नर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि भारत ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में करीब 20त्र का योगदान देगा. ये मजबूत घरेलू डिमांड और सही इकोनॉमिक और फाइनेंशियल पॉलिसीज की वजह से होगा, जिसने भारत को बाहरी झटकों से निपटने में मदद की है. पुणे के गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स में ÷बदलती ग्लोबल व्यवस्था में भारतीय इकोनॉमी÷ पर 85वें काले मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए, दास ने अमेरिका और बाकी देशों के साथ फ्री ट्रेड अग्रीमेंट (एफटीए) की बातचीत में निष्पक्ष और बैलेंस्ड रिजल्ट्स पर भारत के फोकस को हाइलाइट किया.उन्होंने कहा कि ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत शानदार लचीलापन और डायनामिज्म दिखा रहा है. उन्होंने ये भी बताया कि ग्लोबल इकोनॉमी को बहुत सारी अनिश्चितताओं और पुराने नियम-आधारित, ग्लोबलाइज्ड ट्रेड सिस्टम में बदलाव का सामना करना

पड़ रहा है. दास ने कहा कि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत करने की जरूरत को और बढ़ा दिया है.

उन्होंने आगे कहा कि अब स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी प्रायोरिटी बन गई है, क्योंकि रीजनल ट्रेड अग्रीमेंट्स अब प्रैक्टिकल और छोटे-छोटे ट्रेड गठबंधनों की ओर बढ़ रहे हैं. पिछले एक दशक के स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स और ÷आत्मनिर्भर भारत÷ के विजन की वजह से भारत ने कई ग्लोबल चैलेंजेस का सामना सफलतापूर्वक किया है.

कितने है ट्रेड अग्रीमेंट्स

भारत के पास अभी 14 फ्री ट्रेड अग्रीमेंट्स (एफटीए) और 6 प्रीफरेंशियल ट्रेड अग्रीमेंट्स (पीटीए) हैं, जिनमें हाल ही में यूके, ऑस्ट्रेलिया, यूएई और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ हुए अग्रीमेंट्स शामिल हैं.

चांदी पर गहराया सप्लाई संकट, तेजी भाग रहे हैं भावज्इन कंपनियों ने Silver ETF में रोका निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में बढ़ती चांदी की कीमतों ने फंड मैनेजर्स की भी चिंता बढ़ा दी है. सप्लाई की कमी के चलते चांदी के दाम बढ़ते जा रहे हैं. यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने शनिवार को बताया कि UTI सिल्वर ETF फंड ऑफ फंड में नए लंप-सम और स्विच-इन निवेश को 13 अक्टूबर 2025 से अस्थायी तौर से रोक दिया गया है. कंपनी ने कहा कि यह फैसला बाजार की स्थिति और देश में फिजिकल चांदी की कमी के कारण लिया गया है. चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में प्रीमियम पर हैं, जिसका असर फंड के वैल्यूएशन पर पड़ रहा है.

इस हफ्ते यह दूसरा मौका है जब सिल्वर-बेस्ड फंड में नए निवेश रोके गए हैं. इससे पहले कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट ने भी अपने सिल्वर ETF फंड में नए निवेश पर रोक लगाई थी. कोटक ने कहा कि दिवाली के बाद सप्लाई सुधरने पर यह बैन हटाया जाएगा. गुरुवार को

स्पॉट सिल्वर ने 51.22 प्रति औंस का नया रिकॉर्ड बनाया, जो पहली बार 51 से ऊपर पहुंचा. भारत में, दिल्ली में शनिवार को चांदी का रेट 1,74,000 रुपये प्रति किलो हो गया, जो शुक्रवार की तुलना में 7,000 रुपये ज्यादा है.

क्यों बढ़ रहे हैं भाव?

भारत, दुनिया का सबसे बड़ा चांदी उपभोक्ता, में त्योहारी सीजन के कारण चांदी की मांग बढ़ी है, जबकि आपूर्ति कम है. गुरुवार को चांदी का प्रीमियम 10त्र तक बढ़ गया. बुलियन डीलर्स के मुताबिक, लोग त्योहारों के लिए चांदी खरीद रहे हैं. ज्वेलरी और इंडस्ट्रियल डिमांड 60-70त्र के कारण भी कीमतें बढ़ रही हैं.

सिल्वर में ज्यादा हो रहा निवेश

एक्सपर्ट की माने तो गोल्ड-सिल्वर रेशियो 78.80 तक गिर गया है, जो दिखाता है कि निवेशक चांदी की ओर आकर्षित हो रहे हैं. कुछ लोग गोल्ड बेचकर या घर बनाने के फंड से चांदी खरीद रहे हैं. केडिया ने इसे रोमांचक लेकिन जोखिम भरा बताया है. एक्सपर्ट के मुताबिक, लॉन्ग टर्म में चांदी की संभावनाएं अच्छी हैं लेकिन मौजूदा ऊंचे दामों पर इमोशनल खरीदारी से बचें. मतलब की त्योहार है कुछ लेना ही है इन सब से थोड़ा बचें.

TCS ने लंबे समय बाद दी शेयरहोल्डर्स को गुड न्यूज, लेकिन चढ़ते बाजार में नुकसान दे गया LIC

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले हफ्ते एक दिन को छोड़कर बाकी सभी सत्रों में तेजी रही। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,293.65 अंक या 1.59 प्रतिशत चढ़ गया।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,94,148.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत घट गई।

समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 45,678.35 करोड़ रुपये बढ़कर 10,95,701.62 करोड़ रुपये हो गया।

इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 28,125.29 करोड़ रुपये बढ़कर 6,29,080.22 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 25,135.62 करोड़ रुपये बढ़कर 15,07,025.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 25,089.27 करोड़ रुपये बढ़कर 11,05,980.35 करोड़ रुपये हो गई।

रिलायंस का मार्केट कैप

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 25,035.08 करोड़ रुपये बढ़कर 18,70,120.06 करोड़ रुपये रहा।

India-EFTA ट्रेड डील से खुलेगा निवेश का दरवाजा, 1 मिलियन से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के बिजनेस हिस्ट्री में एक बड़ी अचीवमेंट मिली है. भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एसोसिएशन (EFTA) के साथ हुआ ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (TEPA) जो 10 मार्च 2024 को साइन किया गया था, अब आधिकारिक रूप से 1 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया है. ये समझौता भारत का चार विकसित यूरोपीय देशों- स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ पहला फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है.

100 अरब डॉलर निवेश और 10 लाख नौकरियां

सरकार के मुताबिक, इस समझौते से भारत में अगले 15 साल में 100 अरब डॉलर (करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए) का निवेश आने की उम्मीद है. इससे 10 लाख से ज्यादा नई नौकरियां बनने की संभावना है. पहले दस साल में 50 अरब डॉलर और अगले पांच साल में 50 अरब डॉलर का निवेश श्वस्त्रज्ञ देशों द्वारा लाने का वादा किया गया है. ये निवेश खासकर रिन्यूएबल एनर्जी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और लाइफ साइंसेज जैसे सेक्टर में होगा. वहीं निवेशकों की सुविधा के लिए सरकार ने एक खास इंडिया-श्वस्त्रज्ञ डेस्क बनाई है, जो सभी प्रोसेस के लिए सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगी.

दोनों पक्षों को मिलेगा बराबर का फायदा

TEPA समझौते के तहत, EFTA देशों ने भारत को 92.2 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर छूट दी है, जिससे

भारत के 99.6त्र निर्यात को लाभ होगा. इसके बदले भारत ने 82.7त्र टैरिफ लाइनों पर पहुंच दी है, जो EFTA के 95.3त्र निर्यात को कवर करती है. भारत ने अपने डेयरी, सोया, कोयला और कुछ कृषि उत्पादों को सुरक्षा के दायरे में रखा है ताकि घरेलू उद्योगों पर असर न पड़े.

सर्विस सेक्टर और प्रोफेशनल्स के लिए मौके

भारत की मजबूत स्थिति वाले सर्विस सेक्टर को भी इस समझौते से फायदा मिलेगा. भारत को 105 उप-क्षेत्रों में मार्केट की बेहतर पहुंच मिलेगी. साथ ही, नर्सिंग, अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर जैसे काम में दोनों प्रोफेशनल्स के बीच म्यूचुअल रिकग्निशन एग्रीमेंट (MRA) लागू होगा, जिसमें भारतीय प्रोफेशनल्स को यूरोप में काम करने के और अवसर मिलेंगे.

निर्यात को नई दिशा

कृषि,मरीन प्रोडक्ट्स, मशीनरी, कॉफी, चाय और प्रोसेस्ड फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट की मांग EFTA देशों में बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि इन पर चार्ज घटा दिया गया है. इसके अलावा टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल और इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज को भी बड़ा फायदा होगा.

पार्टनरशिप का नया युग

सरकार का कहना है कि TEPA सिर्फ व्यापार समझौता नहीं, बल्कि दोनों एरिया के साझा विकास और विश्वास पर आधारित साझेदारी है. भारत के बढ़ते औद्योगिक उत्पादन और EFTA देशों की तकनीकी क्षमता मिलकर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इनोवेशन और जॉब क्रिएशन का नया चैप्टर लिखेंगे.

पैसों की कमी है? दिवाली के लिए पर्सनल लोन लेने से पहले जान लें ये टिप्स

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाली का मौसम करीब है और त्योहारों के जश्न के लिए कई लोग पहले से ही खरीदारी की योजना बना रहे हैं. अगर आप भी दिवाली में जोरदार सेलिब्रेशन करना चाहते हैं, लेकिन पैसों की कमी लग रही है, तो बैंक या हक्क्ष्ब्ष्ट से पर्सनल लोन लेना एक विकल्प हो सकता है. आजकल तकनीक की मदद से आप फोन या कंप्यूटर के माध्यम से कुछ ही मिनटों में तुरंत लोन ले सकते हैं. इससे आप महंगे गिफ्ट्स खरीद सकते हैं, घर की मरम्मत करवा सकते हैं या अन्य जरूरी खर्च पूरे कर सकते हैं.

इन 5 बातों का जरूर रखें ध्यान

हालांकि, पर्सनल लोन लेने से पहले कुछ अहम बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है. सबसे पहली बात यह है कि आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खर्च जरूरी है या वैकल्पिक. उदाहरण के लिए, घर में टूट-फूट हुई जगह की मरम्मत जरूरी हो सकती है, जबकि घर की सजावट या अतिरिक्त शौकिया खर्च वैकल्पिक हो सकता है. जरूरी खर्चों के लिए

लोन लेना समझदारी है, लेकिन वैकल्पिक खर्चों के लिए यह सही नहीं माना जाता.

दूसरी अहम बात है कि पर्सनल लोन अनसिक्योर्ड होते हैं, यानी इनके लिए कोई गारंटी या सिक्योरिटी नहीं होती. इसलिए इन पर ब्याज दरें काफी ज्यादा होती हैं. इस वजह से लोन लेने से पहले विभिन्न लेंडर्स की ब्याज दर और शर्तों की तुलना करना बहुत जरूरी है.

तीसरी बात है कि आपको यह देखना चाहिए कि यह लोन आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर न डाले. उदाहरण के लिए, अगर आप कुछ महीने बाद नई कार खरीदने के लिए पहले से लोन लेने वाले थे, तो इस समय अतिरिक्त लोन लेना आपकी वित्तीय योजना को प्रभावित कर सकता है.चौथी बात यह है कि आप खर्च को टालकर कुछ महीनों के लिए पैसे बचा सकते हैं, ताकि दिवाली के समय आवश्यक खर्च आसानी से पूरा हो सके. यह तरीका आपको अतिरिक्त ब्याज और लंबी अवधि की जिम्मेदारी से बचा सकता है.

पांचवीं और आखिरी सलाह है कि अगर लोन लेना ही है तो छोटा लोन लें, जिसे आप आसानी से अगली छह महीने में चुका सकें. इससे आपकी वित्तीय स्थिति पर अधिक दबाव नहीं पड़ेगा.

कहा जा सकता है कि दिवाली के लिए पर्सनल लोन लेने से पहले यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि खर्च जरूरी है, ब्याज दर सही है और यह आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्रभावित नहीं करेगा. थोड़ी सोच-समझ और योजना के साथ लोन लेना आपको त्योहारों का आनंद लेने में मदद करेगा और बाद में वित्तीय दबाव से बचाएगा.

दिवाली पर कैसे मिलेगी आपकी गाड़ी? चीन ने लगा दिया भारत की रफ्तार पर ब्रेक!

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी कटौती का फायदा उठाते हुए लोगों ने इस बार नवरात्रि में जमकर कारों की खरीदारी की। अधिकांश ग्राहक दिवाली पर डिलीवरी चाहते हैं लेकिन कंपनियों की अलग ही समस्या है। दरअसल, चीन ने एक बार फिर से रेयर अर्थ मेटल्स दुर्लभ के ट्रेड पर नियमों को सख्त कर दिया है। मॉडर्न इकॉनमी में इनकी काफी अहमियत है और इनकी सप्लाई चेन पर पूरी तरह चीन का कब्जा है। चीन अपने इस दबदबे को एक रणनीतिक हथियार के तौर पर यूज कर रहा है। उसके इस ने भारत समेत उन सभी देशों के लिए और भी मुश्किल खड़ी कर रहा है जो पहले से ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी टैरिफ से परेशान हैं।

चीन ने 9 अक्टूबर को रेयर अर्थ मेटल्स और उनसे जुड़ी तकनीकों पर अपने निर्यात प्रतिबंधों का दायरा बढ़ा दिया।

नए नियमों के तहत अब निर्यातकों को रेयर अर्थ मेटल्स के खनन, उन्हें गलाने, अलग करने, मैग्नेट बनाने, रीसाइक्लिंग और उनकी प्रोडक्शन लाइन के रखरखाव, मरम्मत या अपग्रेड के लिए इस्तेमाल होने वाली तकनीकों और उपकरणों को भेजने के लिए सरकारी लाइसेंस लेना होगा। साथ ही विदेशी सहयोग पर भी रोक लगाई गई है। अब चीनी कंपनियों और विदेशी साझेदारों को रेयर अर्थ से जुड़े विदेशी प्रोजेक्ट्स में शामिल होने के लिए मंजूरी लेनी होगी।

साउथ का सुपरस्टार, 600 करोड़ का मालिक, कौन हैं

प्रियंका चोपड़ा

का पहला हीरो?

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड में आने से पहले ही अपना और अपने देश का नामा रौशन कर दिया था. एक्ट्रेस बनने से पहले प्रियंका ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था. इसके बाद उनके फिल्मी दुनिया में जाने के रास्ते खुल गए थे. उन्होंने साउथ सिनेमा से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था. इसके बाद एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में कदम रखे थे. हिंदी सिनेमा में बड़ा नाम कमाने के बाद प्रियंका ने हॉलीवुड का रुख किया और यहां भी वो अपने टैलेंट की छाप छोड़ने में कामयाब हुईं.प्रियंका चोपड़ा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्हें आज ग्लोबल स्टार के रूप में पहचाना जाता है. वो अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दे चुकी हैं और कई मशहूर एक्टर्स की हीरोइन रही हैं. लेकिन, क्या आप ये जानते हैं कि प्रियंका के पहले हीरो कौन हैं? प्रियंका ने जिस एक्टर के साथ अपना करियर शुरू किया था वो साउथ सिनेमा के सुपरस्टार हैं और उनके पास अरबों की नेटवर्थ है.

कौन हैं प्रियंका चोपड़ा का पहला हीरो ?

43 साल की हो चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2002 में की थी. उस वक्त एक्ट्रेस की उम्र 19 साल थी. प्रियंका ने बॉलीवुड नहीं बल्कि साउथ सिनेमा से अपने करियर का आगाज किया था. उनकी पहली फिल्म थी 'थमिजान'. ये तमिल फिल्म साल 2002 में रिलीज हुई थी, जिसमें एक्ट्रेस ने साउथ सुपरस्टार थलपति विजय के साथ काम किया था. 14 अप्रैल 2002 को रिलीज हुई प्रियंका की डेब्यू फिल्म का डायरेक्शन ए माजिद ने किया था.

600 करोड़ की है नेटवर्थ

मुख्य रूप से तमिल सिनेमा में काम करने वाले विजय 90 के दशक से फिल्मी दुनिया में एक्टिव हैं. उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं और अब वो राजनीति के मैदान में भी उतर चुके हैं. वो अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बना चुके हैं, जिसका नाम तमिलगा वेट्टी कजगम (TVK) है.विजय देश के सबसे महंगे एक्टर्स में से एक हैं. वो अपनी आखिरी फिल्म 'जन नायगन' के लिए के लिए 275 करोड़ फीस लें रहे हैं. ये फिल्म 2026 में रिलीज होगी. इसके बाद अभिनेता पूरी तरह से राजनीति में एक्टिव रहेंगे. उनकी नेटवर्थ की बात करें तो वो 600 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं.

अमिताभ-अक्षय संग किया काम, TV पर भी छोड़ी छाप, अब ऐसे दिखने लगे हैं अमन वर्मा

फिल्मी दुनिया में कभी जाना-माना नाम रहे अमन वर्मा बाद में गुमनाम हो गए थे. उन्होंने छोटे पर्दे से लेकर बड़े तक पर धूम मचाई थी. वहीं वो छोटे पर्दे पर होस्ट भी रह चुके हैं. 11 अक्टूबर 1971 को मुंबई में जन्मे अमन वर्मा आज 54 साल के हो गए हैं. आइए इस खास मौके पर अमन वर्मा से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में जानते हैं. उन्होंने बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार जैसे सुपरस्टार्स के साथ भी काम किया है.अमन वर्मा ने अक्षय कुमार और प्रीति जिंटा की फिल्म 'संघर्ष' में काम किया था. ये पिक्चर साल 1999 में रिलीज हुई थी. इसमें वो यंग प्रीति जिंटा के किरदार के साथ नजर आए थे जो आलिया भट्ट ने निभाया था. आलिया ने इसमें चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम किया था. इसके अलावा अमन अक्षय की फिल्म 'अंदाज' का भी हिस्सा थे.

बने थे अमिताभ बच्चन के बेटे

अक्षय कुमार के बाद अमन वर्मा ने अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ भी काम किया था. वो साल 2003 में आई बेहतरीन फिल्म 'बागवान' में अमिताभ और हेमा के बेटे के किरदार में नजर आए थे. 22 साल पुरानी इस पिक्चर में महिमा चौधरी, सलमान खान, परेश रावल, समीर सोनी, असरानी और लिलेट दुबे जैसे कलाकारों ने भी काम किया था.ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी. इसके अलावा अमन ने साल 2003 की फिल्म 'प्राण जाए पर शान न जाए' में लीड रोल भी निभाया था. इनके साथ ही अमन 'अंदाज', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'कोई है' और 'बाबुल' जैसी फिल्मों में भी नजर आए थे.

छोटे पर्दे पर भी छोड़ी छाप

अमन के एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से ही हुई थी. उन्होंने सबसे पहले 'लाल दीवारे' नाम के शो में काम किया था. इसके बाद अमन वर्मा देश के सबसे लोकप्रिय सीरियल्स में से एक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में भी दिखाई दिए थे. वो साल 2000 से लेकर 2004 तक इस मशहूर धारावाहिक का हिस्सा थे.

अब ऐसे दिखते हैं अमन

अमन शक्ल-सूरत से अब काफी बदल चुके हैं. साल 2023 में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें उनकी दाढ़ी पूरी सफेद नजर आ रही थी. अभिनेता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. वो अक्सर ही इंस्टाग्राम से अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते रहते हैं.

सुनील शेट्टी ने बॉम्बे HC का दरवाजा खटखटाया, फोटो के गलत इस्तेमाल पर लगाई गुहार

सुनील शेट्टी ने याचिका में दावा किया कि उनके व्यक्तित्व और तस्वीरों पर सिर्फ उन्हीं का अधिकार है. अभिनेता ने कहा कि बिना अनुमति के उनके नाम या तस्वीरों का इस्तेमाल किए जाने से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है.

अभिनेता सुनील शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों के दुरुपयोग के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) का रुख किया है. उन्होंने दावा किया है कि कई सोशल मीडिया पेज और वेबसाइट व्यावसायिक लाभ के लिए बिना अनुमति उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहे हैं.सुनील शेट्टी ने हाईकोर्ट में दाखिल अंतरिम याचिका में अदालत से ऐसी सभी वेबसाइट को तुरंत उनकी तस्वीरें हटाने और भविष्य में इनका इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश जारी करने का अनुरोध किया.

याचिका पर फैसला सुरक्षित

न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने शुक्रवार को सुनील शेट्टी के वकील वीरेंद्र सराफ की दलीलें सुनीं और याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया. सराफ ने पीठ को बताया कि कुछ वेबसाइट पर सुनील शेट्टी और उनके नाती की फर्जी तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं. उन्होंने दावा किया कि अभिनेता की तस्वीरों का बिना अनुमति व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है.

सट्टेबाजी ऐप की वेबसाइट पर तस्वीरें

सराफ ने दलील दी कि एक रियल एस्टेट एजेंसी और एक सट्टेबाजी ऐप की वेबसाइट पर सुनील शेट्टी की तस्वीरें प्रदर्शित की जा रही हैं, जबकि वह उनसे जुड़े हुए भी नहीं हैं. सुनील शेट्टी ने याचिका में दावा किया कि उनके व्यक्तित्व और तस्वीरों पर सिर्फ उन्हीं का अधिकार है. अभिनेता ने कहा कि बिना अनुमति के उनके नाम या तस्वीरों का इस्तेमाल किए जाने से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है.

कई सेलिब्रिटीज पहुंच चुके हैं कोर्ट

यह पहली बार नहीं है जब किसी मशहूर कलाकार को अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा हो. पहले भी कई सितारे अपनी तस्वीरों या नाम के दुरुपयोग को लेकर नाराजगी जता चुके हैं. ऐश्वर्या राय बच्चन, अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह, करीना कपूर, अनुष्का शर्मा जैसे सितारों ने भी इससे पहले अपने नाम या तस्वीरों के गलत उपयोग पर आपत्ति जताई थी.

इधर दीपिका पादुकोण

ने रचा इतिहास, उधर पति रणवीर सिंह ने लुटाया प्यार, कहा- मुझे गर्व है

दीपिका पादुकोण ने भारत की पहली मेंटल हेल्थ एंबेसडर बनकर इतिहास रच दिया है. यह पहल केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है. वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर यह अनाउंसमेंट की गई, जब दीपिका ने यूनियन हेल्थ मिनिस्टर जेपी नड्डा से मुलाकात कर देश भर में मेंटल हेल्थ की देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उसकी पहुंच में सुधार लाने के लिए सरकार

के साथ अपने सहयोग पर चर्चा की.दीपिका पादुकोण जो अपने लाइव लव लाफ फाउंडेशन (टीएलएलएलएफ) के जरिए से मेंटल हेल्थ जागरूकता की मुखर समर्थक रही हैं, उन्होंने इस नियुक्ति के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर, मुझे यूनियन हेल्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की पहली मेंटल हेल्थ एंबेसडर नियुक्त किए जाने पर गहरा सम्मान महसूस हो रहा है.

रणवीर सिंह ने पत्नी पर लुटाया प्यार

अनाउंसमेंट के तुरंत बाद, रणवीर सिंह ने दीपिका की पोस्ट को शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा, बहुत गर्व है. उनका पत्नी के लिए शेयर किया गया रिएक्शन तुरंत वायरल हो गया. फैन्स ने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह जिस तरह से वह एक-दूसरे की तारीफ करते हैं ये काफी अच्छा है.

दीपिका पादुकोण ने शेयर किया पोस्ट

दीपिका ने डिप्रेशन से अपनी लड़ाई के बारे में खुलकर बात की है, उन्होंने एक ज़्यादा मानसिक रूप से मज़बूत भारत की अपनी आशा व्यक्त की. उन्होंने लिखा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमारे देश ने मेंटल हेल्थ को जन स्वास्थ्य के केंद्र में रखने के लिए सार्थक कदम उठाए हैं. उन्होंने आगे कहा, अपनी जर्नी और पिछले एक दशक में @tlllfoundation में किए गए हमारे काम के ज़रिए, मैंने देखा है कि जब हम एक साथ मिलकर मानसिक रूप से स्वस्थ भारत का निर्माण करते हैं, तो कितना कुछ संभव है. मैं भारत के मानसिक स्वास्थ्य ढांचे को और मज़बूत बनाने के लिए श्री @jpnaddaofficial और @mohfwindia के मार्गदर्शन में काम करने के लिए उत्सुक हूं.

संघ शताब्दी वर्ष के तहत मनाया गया विजयदशमी उत्सव

कानपुर। संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत शनिवार को दीनदयाल नगर, नवाबगंज बस्ती में विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के मुख्य मैदान में हुआ।

कार्यक्रम में नगर संघचालक श्रीनारायण मंचासीन रहे, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में अनिल, क्षेत्र प्रचारक पूर्वी उत्तर क्षेत्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने की।

कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने भारतीय कृषि में जैविक खेती, प्रकृति पूजन और ग्राम विकास में संघ की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता अनिल जी ने संघ के पंच परिवर्तन संकल्प की व्याख्या करते हुए काशी की सांस्कृतिक प्रेरणा, सनातन महोत्सव महाकुंभ और भारत में समाज जागृति के विषयों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के उपरांत 272 स्वयंसेवकों ने घोष की ताल पर कदमताल करते हुए सीएसए कंपनी बाग, एचबीटीयू और नवाबगंज मार्गों से होते हुए संचलन किया। बस्ती के घरों से पुष्पवर्षा कर लोगों ने संघ के प्रति स्वीकार्यता और सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महिलाएं वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कुल 323 गणवेशधारी स्वयंसेवक और लगभग 500 से अधिक लोगों की सहभागिता रही।

इस अवसर पर केंद्रीय अधिकारी अनिल ओख, प्रान्त प्रचारक श्रीराम, सह प्रान्त प्रचारक मुनिश, प्रान्त कार्यवाह रामकेश, विभाग प्रचारक बैरिस्टर तथा विश्वविद्यालय के प्रो. सीएल मौर्य, डॉ. वीके त्रिपाठी, डॉ. कौशल कुमार सहित कई शिक्षकगण उपस्थित रहे। विचार परिवार से एबीवीपी प्रान्त संगठन मंत्री मनीष, ज्ञानेंद्र और नगर कार्यकारिणी के सदस्य भी शामिल हुए।

प्रवर्तन दल के वायरल वीडियो पर अयोध्या विधायक ने नगर आयुक्त को दिया कार्यवाही का निर्देश

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या के प्रवर्तन दल का एक वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने इसका संज्ञान लिया है। वीडियो में प्रवर्तन दल के तीन सदस्य पटरी दुकानदारों को दीवार के सहारे हाथ नीचे और पैर ऊपर करने की सजा देते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो का दृश्य देखकर लोग हैरान हैं। वीडियो में ह्लसीतारामह्व का जाप भी सुनाई दे रहा है, जिससे यह दृश्य और अधिक चर्चा में आ गया।

घटना पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कड़ा रुख अपनाते हुए नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार को तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विधायक ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं अयोध्या की मयार्दा के अनुरूप नही हैं। प्रर्वतन दल के सदस्यों को यह समझना चाहिए कि वह जनता की सेवा के लिए है, न कि भय और अपमान फैलाने के लिए। छोटे दुकानदार शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनका किसी भी प्रकार का उत्पीड़न किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योगी राज में सभी को समान रूप से जीवनयापन का अधिकार है। किसी को अपमानित या उत्पीड़न की घटनाएं नही होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी ने सीमा लांघी है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई अनिवार्य है।

औरैया पुलिस ने पकड़ी 5 लाख की अवैध आतिशबाजी, पांच आरोपी गिरफ्तार

औरैया। दीपावली पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली औरैया पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 1 क्विंटल 63 किलोग्राम अवैध पटाखे और आतिशबाजी सामग्री बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विनय कुमार, आयुष, अनुराग पोरवाल, अमन कुमार और विशाल पोरवाल उर्फ अंकित शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि ये सभी बिना लाइसेंस के बारूद और पटाखों का भंडारण कर दीपावली पर बेचने की फिराक में थे।

बरामद सामग्री में लैला-मजनू पटाखे, बड़े रॉकेट, सील पैक अनार, फुलझड़ियाँ, बीडी बम और अन्य विस्फोटक आतिशबाजी सामग्री शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 5/9(ख) विस्फोटक अधिनियम के तहत मु.अ.सं. 748 से 752/2025 तक मुकदमे दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।एसपी औरैया ने टीम की सराहना करते हुए जिलेभर में अवैध पटाखा कारोबार पर कड़ी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

हिस्ट्रीशीटर साजन मेहतर की हत्या मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन थाने की पुलिस टीम ने शनिवार को हत्या मामले में फरार एक और आरोपित को सीएमपी डिग्री कालेज के समीप से गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि साजन मेहतर की हत्या मामले में गिरफ्तार एक और आरोपित जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर पूरा दलेल बाघम्बरी रोड शीतल माता मंदिर के समीप निवासी गुन्नू पासी उर्फ शान्तनु भारतीया पुत्र स्वर्गीय रामजी भारतीया है। इसके खिलाफ जार्जटाउन थाने में धारा 191(2) ,191 (3), 190, 115(2) ,103(1) ,109(1), 61(2) बी.एन.एस. के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जार्जटाउन थाने की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपित गुन्नू पासी उर्फ शान्तनु भारतीया के खिलाफ हत्या सहित 10 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

आरएसएस के पूर्व विभाग संघचालक प्रो. बिशन किशोर नहीं रहे,विज्ञान भारती के संस्थापक रहे

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के काशी विभाग के पूर्व विभाग संघचालक एवं विश्व संवाद केन्द्र, काशी न्यास के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बिशन किशोर का शनिवार को निधन हो गया। 88 वर्षीय प्रो. बिशन किशोर लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

पिछले 15 दिन से उनका इलाज बीएचयू आईसीयू में हो रहा था। विश्व संवाद केन्द्र के सचिव प्रदीप कुमार ने बताया कि बीएचयू आईआईटी प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त बिशन किशोर संघ के अनुषांगिक संगठन विज्ञान भारती के संस्थापक सदस्य भी रहे।

वे समाज सेवा में विशेष रूचि रखते ?थे। चितईपुर के मणिनगर स्थित आवास पर उनका देखरेख पौत्र अभिनव (ज्येष्ठ दिवंगत पुत्र राजीव के पुत्र) एवं पुत्र दीपक कर रहे थे। उनकी अन्तिम यात्रा उनके आवास से देर शाम हरिश्चंद्र घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

मेट्रो रेल परियोजना से मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट की अर्थव्यवस्था को मिली संजीवनी : सुशील कुमार

कानपुर। कानपुर उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ी आबादी वाला शहर है। अतीत में मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट के नाम से जानने वाले इस शहर की अर्थव्यवस्था को मेट्रो रेल परियोजना से नई गति और ऊर्जा मिल रही है। वोकल फॉर लोकल थीम के अंतर्गत स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉपोर्रेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) लेदर मेला 2025 का आधिकारिक प्रायोजक है तथा इस तीन दिवसीय आयोजन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। यह बातें शनिवार को यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कही।

काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) द्वारा आयोजित वार्षिक लेदर मेले का आज शुभारम्भ किया गया। लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी ने मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने लेदर स्वदेशी मेला 2025 के आधिकारिक प्रायोजन हेतु यूपीएमआरसी को प्रशस्ति पत्र और शील्ड भेंट कर सम्मानित किया।

मेले में स्थापित उत्तर प्रदेश मेट्रो के स्टॉल को राज्य की विभिन्न मेट्रो रेल परियोजनाओं एवं उनकी उपलब्धियों की जानकारी से सजाया गया है। स्टॉल पर बिक्री के लिए आकर्षक सॉवेनिर आइटम्स, विशेष रूप से लेदर से निर्मित कीचैन, आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त, कानपुर मेट्रो की टॉय ट्रेन भी लोगों द्वारा खूब सराही जा रही है।

पागलाभारी धमाका मामला : यह घटना कोई संयोग नही पुलिस की मिलीभगत से चल रहा गोला बारूद का धंधा-सांसद अवधेश प्रसाद

अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पागलाभारी गांव में हुए धमाके को लेकर सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि यह हादसा सिलिंडर फटने से नहीं, बल्कि अवैध रूप से चल रहे गोला-बारूद निर्माण के कारण हुआ है।

सांसद ने बताया कि इसी गांव में एक वर्ष पूर्व भी इसी तरह का धमाका हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस बार छह लोगों की मौत और एक लेखपाल के घायल होने के बाद भी अधिकारी सिर्फ जांच का हवाला दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को पहले से इस अवैध धंधे की जानकारी थी और स्थानीय पुलिसकर्मी वहां हफ्ता वसूली के लिए जाते थे। सांसद ने मृतकों के परिवार को 50-50 लाख रुपये मुआवजा और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की मांग की।

सांसद ने प्रशासन से कहा कि दीपावली के मद्देनजर सभी तहसीलों में सीओ और एसडीएम को निर्देशित किया जाए कि पटाखा लाइसेंसधारकों को थाने बुलाकर उनके पास मौजूद भंडारण की जांच करें, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

कॉपोर्रेट ग्राहकों, निर्यातकों से लेकर स्थानीय उद्यमियों तक के लिए डाक विभाग की तमाम सुविधाएं : कृष्ण कुमार यादव

प्रयागराज। डाक विभाग निरंतर नई तकनीकों और नवाचारों के माध्यम से अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। ग्राहक सेवा को अपनी प्राथमिकता बनाते हुए, डाक विभाग आज पारम्परिक डाक सेवाओं से आगे बढ़कर व्यापक वित्तीय, लॉजिस्टिक और डिजिटल सेवाएं भी उच्च गुणवत्ता एवं दक्षता के साथ प्रदान कर रहा है।

डिजिटल युग में जहां मोबाइल, ईमेल और सोशल मीडिया का व्यापक प्रयोग है, वहां भी पत्रों और डाक सेवाओं की अपनी विशेष अहमियत बनी हुई है। आज भी तमाम महत्वपूर्ण दस्तावेज- सरकारी व कोर्ट संबंधी पत्रों के साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आई कार्ड, पैन कार्ड, विभिन्न बैंकों की चेक बुक व एटीएम कार्ड इत्यादि डाकघरों से ही भेजे जाते हैं।

उक्त विचार पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने शनिवार को ह्लराष्ट्रीय डाक सप्ताहह्व के समापन दिवस पर आयोजित ह्लकस्टमर मीटह्व को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। इस अवसर पर डाक सेवाओं के बारे में जानकारी दी गयी एवं विभिन्न निर्यातकों से परिचर्चा की गई। यह पहल

स्थानीय व्यवसायों और उद्योगों को वैश्विक बाजारों तक पहुँचने में सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने डाक विभाग को महत्वपूर्ण व्यवसाय प्रदान करने वाले संस्थानों को सम्मानित भी किया।

उन्होंने कहा कि कस्टमर मीट का उद्देश्य बल्क ग्राहकों को स्पीड पोस्ट और पार्सल सेवाओं में हाल ही में शुरू की गई नई पहलों से अवगत कराना है। ताकि ओडीओपी, जीआई, एमएसएमई निर्यातक, ई-कॉमर्स व्यवसायी अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाओं का लाभ उठा सकें। डाक विभाग विभिन्न व्यवसाय समूहों की आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तृत और बहुआयामी योजनाएं संचालित कर रहा है। इनमें स्पीड पोस्ट, पार्सल, डाकघर निर्यात केंद्र, ई-पोस्ट, ज्ञान पोस्ट, बिजनेस पोस्ट, डायरेक्ट पोस्ट, मीडिया पोस्ट, रिटेल पोस्ट, लॉजिस्टिक्स पोस्ट, ई-पेमेंट, आधार सेवाएं, पासपोर्ट सेवाएं आदि प्रमुख हैं।

पोस्टमास्टर जनरल ने कहा कि वाणिज्यिक निर्यात को बढ़ावा देने और निर्यातकों के लिए एक केंद्रीकृत, सरल और प्रभावी समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाकघर निर्यात केंद्रों की स्थापना की गई है। डाकघर निर्यात केंद्रों द्वारा स्थानीय उत्पादकों, विशेष रूप से ओडीओपी, जीआई, एमएसएमई से जुड़े व्यवसायों को वैश्विक बाजार तक पहुंच प्रदान की जा रही है, जिससे ह्लवोकल फॉर लोकलह्व और ह्लआत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों को मजबूती मिल रही है।

कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाकघरों में पिकअप एंड इंडक्शन, पार्सल पैकेजिंग यूनिट, क्यूआर कोड से डिजिटल पेमेंट जैसी आधुनिक सेवाएं भी उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय पार्सल बुकिंग के लिए ऑन स्पॉट कस्टम क्लियरेंस की सुविधा उपलब्ध है, जिससे अंतरराष्ट्रीय पार्सल बुकिंग प्रक्रिया सरल और शीघ्र हो गई है। विश्व भर में 200 से अधिक गंतव्य देशों और क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा उपलब्ध है। स्वागत भाषण प्रवर अधीक्षक पियूष रजक और आभार ज्ञापन प्रवर अधीक्षक चिराग मेहता ने तथा संचालन चिरायु व्यास ने किया। मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव दिपल मेहता द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डाक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

आरएसएस के 100 साल पूरे, गुप्तारगंज बाजार में कार्यक्रम का आयोजन!

सुल्तानपुर- जिले के विकासखंड कूरेभार क्षेत्र के चंडीका धाम गुप्तारगंज में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम मे मण्डल सहयोजक धर्मेंद्र बहादुर सिंह उर्फ प्रिंस, रामशंकर आग्रहरी, राहुल कसौधन, आलोक तिवारी, खंड कारवा सोमेन्द्र प्रताप सिंह, शेषमढ़ी मिश्रा, दिग्विजय सिंह, गोकुल जी सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता महोजूद रहे।

विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो के आह्वान के साथ मुरादाबाद पहुंचा स्वदेशी संकल्प यात्रा रैली रथ

रैली अमरोहा, संभल, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बागपत,मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली से होकर 17 अक्टूबर को सहारनपुर पहुंचेगी

मुरादाबाद। स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वाधान में मेरठ प्रांत की स्वदेशी संकल्प रैली के यात्रा रथ का शनिवार शाम को मुरादाबाद में आगमन हुआ। यह रैली आज रामपुर से प्रारंभ हुई है जो मुरादाबाद के बाद मेरठ प्रांत के अन्य जिले अमरोहा, संभल, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बागपत,मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली से होकर 17 अक्टूबर को सहारनपुर पहुंचेगी जहां इसका भव्य समापन होगा। विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो के आह्वान के साथ स्वदेशी संकल्प यात्रा रथ का स्वागत मुरादाबाद में इंपीरियल तिराहे पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने किया। यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक संगठन एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। मुरादाबाद पहुंचने पर यात्रा का शुभारंभ नगर विधानसभा से भाजपा नगर विधायक रितेश गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद नगर विधायक ने स्वदेशी संकल्प शपथ सभी उपस्थित जनों को दिलवाई और सिर्फ स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा स्वदेशी ही राष्ट्र भक्ति की अभिव्यक्ति है। देश के रोजगार और व्यापार को बचाना है तो स्वदेशी ही एकमात्र विकल्प है।

अखिला भारतीय विचार विभाग प्रमुख डॉ राजीव कुमार ने कहा की स्वदेशी से हमें बहुत ताकत मिलेगी कोई भी हमें आंख नहीं दिखा पाएगा। विदेशी ऑनलाइन कंपनियों का बहिष्कार करें और सिर्फ स्वदेशी बाजारों से ही खरीदारी करें जिससे अपने देश के लोग समृद्ध हों।

सुल्तानपुर में 'यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला-2025' का आयोजन हुआ

सुल्तानपुर- सुल्तानपुर में 'यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला-2025' का आयोजन दिनांक 09 अक्टूबर, से 18 अक्टूबर के मध्य प्रातः 11 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक किया जा रहा है। आज दिनांक 11 अक्टूबर को मेले के तीसरे दिवस में जनपद के हस्तशिल्पियों /कारीगरों / उद्यमियों एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये उत्पादों को देखने हेतु लगातार आम जन मानस पहुँच रहे है। आज श्री प्रवीन कुमार अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष, सुलतानपुर, श्री दिनेश चौरसिया, सभासद एवं श्री करूणा शंकर द्विवेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा मेले में लगी दुकानों एवं स्टालों का भ्रमण किया गया तथा हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादो की खरीददारी की गयी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321